'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
वर्ष 01, अंक 218 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना
सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया अनुसूचित वंचित जातियों ने आभार

मुख्यमंत्री आवास पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी व समाज के कई अग्रणी लोगों की अगुवाई में सीएम आवास पहुंचे हरियाणा भर से लोग

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा अनुसूचित वंचित जातियों के लिए आरक्षण में उप-वर्गीकरण को लागू किए जाने पर मंगलवार को कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी व समाज के अग्रणी लोगों की अगुवाई में प्रदेश से वंचित जातियों के गणमान्य प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में हरियाणा अनुसूचित वंचित जाति समाज की ओर से सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय(सेवा) मंत्री श्री कृष्ण बेदी व विधायक श्री कपूर सिंह वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने अनुसूचित वंचित जातियों सहित पूरे प्रदेश की जनता को नमन करते हुए कहा कि अनुसूचित वंचित जातियों की सभी तरह की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

समाज द्वारा दिए गए निमंत्रण को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण बेदी की अगुवाई में समाज द्वारा निर्धारित हरियाणा में किसी एक जगह आयोजित रैली में पहुंचने की भी स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने डीएससी में शामिल एक-एक जाति का नाम लेते हुए सभी जातियों को प्रणाम किया और कहा कि सीएम हाउस की मालिक हरियाणा की जनता है। मुझे आपने यहां बतौर चौकीदार की जिम्मेवारी दी है, उसे निभा रहा हूं।

भाजपा युवाओं के साथ राजनीति नहीं करती-मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि भाजपा युवाओं के

साथ राजनीति नहीं करती। जब मैंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, भाजपा अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल जी के आशीर्वाद से कार्यभार संभाला था तो 15000 नौकरियों के लिए युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए थे। इस पर युवा विरोधी कांग्रेस चुनाव आयोग तक पहुंची और युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का विरोध किया। आयोग ने चुनाव परिणाम आने तक रोक लगा दी, लेकिन हमारी सरकार ने वायदे को पूरा करते हुए चुनाव परिणाम आते ही 25000 घरों में रोजगार दिया। सरकार का प्रयास है कि सामान्य घरों में भी एचसीएस एवं आईएएस स्तर के अधिकारी हों।

संवाद स्थापित कर साधा विपक्ष पर निशाना-मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव परिणाम से पहले ही कुछ नेताओं के यहां घोड़े आ गए थे। जलेबियां पहुंच गई थी लेकिन हरियाणा की दो करोड़ 80 लाख जनता ने हवा का रुख मोड दिया।

हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को दलित हितैषी बताया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित वंचित जातियों की आरक्षण में वर्गीकरण की लड़ाई हरियाणा के गठन के समय से है। वर्ष 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री भजन लाल ने इन जातियों को हक दिया था, लेकिन वर्ष 2005 में कांग्रेस सरकार में तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने समाज से यह अधिकार छीन लिया था। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अब इस जख्म पर न केवल मरहम लगाने का काम किया, बल्कि अच्छी दवा भी दी है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने 2020 में शिक्षा में यह अधिकार दे दिया था। अब नौकरियों मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने वर्गीकरण के लिए जो रिपोर्ट को मंजूरी दी है, उससे अनुसूचित वंचित समाज मुख्यमंत्री का आभारी है। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने निकाय चुनावों में भी इसी प्रकार से आरक्षण की व्यवस्था करने, समाज से किसी प्रतिनिधि को राज्यसभा में भेजने, अस्थाई सफाई कर्मचारियों को स्थाई करने सहित कई मांगों को लेकर मांग पत्र भी मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी को सौंपा।

इस अवसर पर स्वामी स्वदेश कपूर, बवानीखेड़ा से विधायक श्री कपूर सिंह वाल्मीकि, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री श्री बिशंबर वाल्मीकि, पूर्व विधायक श्री अनूप धानक, स्वामी संगमनाथ, पूर्व विधायक ईश्वर प्लाका, आयोग चेयरमैन रामअवतार वाल्मीकि, पूर्व विधायक श्री कुलवंत बाजीगर, पूर्व एचसीएस अधिकारी श्री अमरजीत सिंह सहित अनुसूचित वंचित जातियों के हरियाणा भर से आए गणमान्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

इंडिया से बिजनेस आइडिया चोरी कर ले गया फिरंगी लंदन में झालमुरी बेचकर कमाता है मोटा पैसा

समाचार गेट ब्यूरो

लंदन। एंगस डीनन नाम ये ब्रिटिश एक बार भारत घूमने आया था। इस दौरान कोलकाता भी गया, जहां उसने झालमुरी चखी। उसका स्वाद उसे इतना पसंद आया कि उन्होंने कुछ समय के लिए भारत में ही झालमुरी और चाट बनाना सीखा। फिर वापस विदेश में जाकर उन्होंने खुद का एक स्टॉल लगाना चालू कर दिया।

जी हां, सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में भारतीयों का बिजनेस आइडिया चुराकर एक फिरंगी ने लंदन में अपनी छोटी सी दुकान खोली है।

भारत में लाई का इस्तेमाल झालमुरी, भेलपुरी और ऐसे ही कई स्वादिष्ट चटाकेदार नाश्ते को बनाने के लिए किया जाता है। जिसे हर कोई स्वाद लेकर खाता है। बताते चले की लाई चावल के दाने से ही

बनाई जाती है। खैर, मुरमुरा का क्रेज इंडिया ही नहीं बल्कि लंदन तक पहुंच चुका है।

'इंस्टाग्राम' पर एंगस डीनन की झालमुरी स्टॉल का एक वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। वैसे भी भारतीयों को अगर उनका काम कोई विदेशी करता दिख जाए तो वह काफी इंप्रेस होते हैं। ऐसे में यह वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय तो बनना ही था।

इस रील को लंदन में रहने वाले अनस रेहान नाम के इंस्टाग्राम यूजर ने बनाया है, जिमें इस फिरंगी को सड़क किनारे झालमुरी की दुकान लगाए देखा जा सकता है।

बंदे के झालमुरी मांगने पर दुकानदार उसे तैयार करना शुरू करता है। विदेशी शख्स का झालमुरी बनाने का तरीका किसी भारतीय भेल बेचने वाले जैसा लगता है। उसके बाद वह उसे झालमुरी पकड़ा देता है।

आपको जानकर ताज्जुब होगा कि यह बंदा लंदन में झालमुरी का एक कोन 4 पाउंड में बेचता है। 4 पाउंड यानी भारतीय करेंसी में करीब 436 रुपये। ऐसे में वह भारतीयों के बिजनेस आइडिया से लंदन में अच्छा पैसा कमा रहा है!

बिप्लब देब और सुरेंद्र नागर से मिले पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

समाचार गेट ब्यूरो

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मंगलवार को त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के सह चुनाव प्रभारी रहे बिप्लब कुमार देब और हरियाणा भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर से मिले। दोनों नेताओं से पंडित मोहन लाल बड़ौली ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष ने हरियाणा में शुरू होने वाले आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी दोनों नेताओं को दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा की जनता का भरोसा भाजपा में बढ़ा है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा के लोगों ने स्पष्ट बहुमत देकर साबित कर दिया कि जनता विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने मिशन मोड़ पर काम करना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर दिन जनहित में नए निर्णय लेकर जनता को लाभानवित कर रहे हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा भी तेजी से विकसित राज्य बनेगा।

आप और कांग्रेस ऑक्सीजन का सिलेंडर लगाकर राजनीति करने से पीछे नहीं हटेगी : ओमप्रकाश धनखड़

भाजपा राष्ट्रीय सचिव का आरोप, आप और कांग्रेस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए, किसानों को ठहराती है कसूरवार

पंजाब और दिल्ली सरकार हरियाणा के किसानों को कसूरवार ठहराने की बजाय प्रदूषण नियंत्रण प्रबंधन पर फोकस करे : बोले धनखड़

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखना सभी की जिम्मेदारी है। एनसीआर सहित उत्तर भारत में वायु प्रदूषित होने पर पंजाब और दिल्ली की आप सरकार द्वारा केवल हरियाणा के किसानों को जिम्मेदार ठहराना बिल्कुल ठीक नहीं है। दोनों सरकारों को अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है। उन्होंने वायु प्रदूषण को रोकने के लिए क्या क्या कदम उठाएं हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को जवाब देते हुए कहा कि यह विषय ओछी राजनीति का नहीं है। यह सभी के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है। इस गंभीर विषय पर आप और कांग्रेस मुंह पर ऑक्सीजन का सिलेंडर लगाकर भी राजनीति करने से पीछे नहीं हटेंगी, आरोपों की राजनीति इनके खून में है। इनका सुधारों से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है, वे केवल अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए हरियाणा पर आरोप मढते हैं।

पंजाब से बेहतर कार्य कर रही है हरियाणा सरकार

मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि हरियाणा सरकार

ने पराली प्रबंधन के लिए विशेष कदम उठाए हैं। किसानों को सबसिडी पर पराली प्रबंधन के लिए संसाधन मुहैया करवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही पानीपत में सीएनजी प्लांट की शुरुआत हो चुकी है, जहां पर बड़ी मात्रा में पराली की खपत होती है। उन्होंने पंजाब की आप सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सेटेलाइट तस्वीरों से स्पष्ट हो जाता है कि हरियाणा से ज्यादा पंजाब में पराली जलाई जा रही है। पंजाब से उठने वाला धुआं हरियाणा की आबोहवा को प्रदूषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने का कारण केवल पराली का धुआं नहीं है, बल्कि मौसम परिवर्तन, ट्रांसपोर्ट, जनसंख्या और उद्योगों का धुआं भी जिम्मेदार है। आसपास के क्षेत्र में पराली जलाने का तत्व भी कारण हो सकता है, लेकिन सीधे तौर पर किसानों को कसूरवार ठहराना ठीक नहीं है। हरियाणा की हमारी सरकार इस विषय पर बहुत ही गंभीरता से कार्य कर रही है।

अपनी जिम्मेदारी से भागती है दिल्ली सरकार

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि दिल्ली सरकार अपनी जिम्मेदारी से भागती है। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर दिल्ली सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। प्रदूषण बढ़ने से दिल्ली सरकार केवल किसानों को कसूरवार ठहराती है। वहीं उन्होंने आप और कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनका काम केवल राजनीति करना है, वे कभी सुधार के लिए कदम नहीं उठाते हैं।

किसानों को किया पराली प्रबंधन का आह्वान

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने किसानों को पराली प्रबंधन का आह्वान किया। धनखड़ का कहना है कि मिट्टी की उर्वरता को बचाना और मित्र जीवों की रक्षा करना किसानों का दायित्व है। किसान इस दायित्व को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। जिस तरह से स्वच्छ पानी चाहिए, उसी तरह सांसों के लिए शुद्ध हवा भी जरूरी है। पराली में आग लगाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और भूमि की उर्वरता क्षमता भी घटती है। किसानों को सजग होना होगा। सरकार की ओर से पराली प्रबंधन को लेकर सबसिडी दी जा रही है, किसानों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

गरिमा यादव को मिली बिना पर्ची-खर्ची नौकरी, विधायक मूलचंद शर्मा ने दी बधाई

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लबगढ़। हरियाणा सरकार की बिना पर्ची बिना खर्ची नीति के कारण हरियाणा के युवाओं को मिल रहा है नौकरियों में योग्यता के आधार पर लाभ, जिसके चलते बल्लभगढ़ आजाद नगर की रहने वाली गरिमा यादव पुत्री श्री श्याम प्रीत यादव का भी सिलेक्शन स्किल डेवलपमेंट इंडस्ट्री डिपार्टमेंट में क्लर्क के पद पर हुआ है। बल्लबगढ़ से विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंथ मूलचंद शर्मा ने सुश्री गरिमा यादव को मिठाई खिलाकर बधाई दी। बता दे कि गरिमा के पिता श्री श्याम प्रीत यादव एलआईसी में काम करते हैं। गरिमा यादव और उनके पिता श्री श्याम यादव को विधायक मूलचंद शर्मा ने बधाई दी और कहा कि यह भाजपा सरकार की बिना पर्ची बिना खर्ची की योग्यता की नीति का परिणाम है की बच्चों को योग्यता के आधार पर प्रदेश में नौकरियां मिल रही है।

हिट-एंड-रन सड़क दुर्घटना के मामलो में गम्भीर चोट पर 50000/-रु व मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए के मुआवजे का है प्रावधान

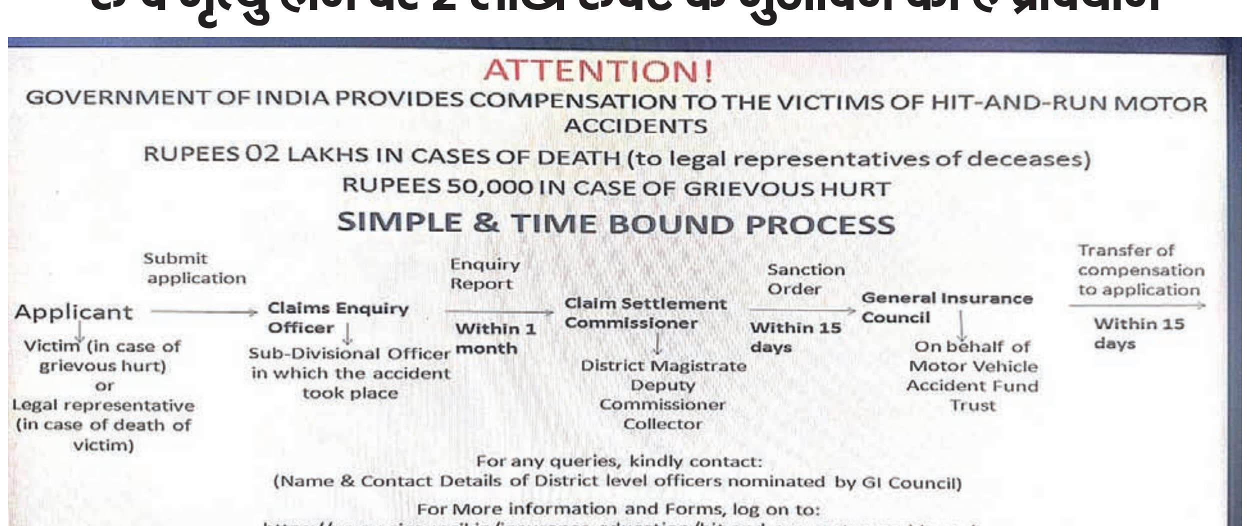
ATTENTION!
GOVERNMENT OF INDIA PROVIDES COMPENSATION TO THE VICTIMS OF HIT-AND-RUN MOTOR ACCIDENTS
RUPEES 02 LAKHS IN CASES OF DEATH (to legal representatives of deceases)
RUPEES 50,000 IN CASE OF GRIEVOUS HURT
SIMPLE & TIME BOUND PROCESS
Applicant — Victim (in case of grievous hurt) or Legal representative (in case of death of victim)
Submit application →
Claims Enquiry Officer — Sub-Divisional Officer in which the accident took place
Enquiry Report → Within 1 month
Claim Settlement Commissioner — District Magistrate Deputy Commissioner Collector
Sanction Order → Within 15 days
General Insurance Council — On behalf of Motor Vehicle Accident Fund Trust
Transfer of compensation to application → Within 15 days
For any queries, kindly contact:
(Name & Contact Details of District level officers nominated by GI Council)
For More information and Forms, log on to:
https://www.gicouncil.in/insurance-education/hit-and-run-motor-accidents/

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा आमजन को जागरुक करते हुए सूचित किया है कि Hit and Run Motor Accident Compensation Scheme-2022 के अंतर्गत हिट-एंड-रन सड़क दुर्घटना के मामलों में गम्भीर चोट लगने पर 50000/-रु तथा मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए के मुआवजे का प्रावधान है। यह नियम 1 अप्रैल 2022 से लागू हो चुका है। जिस संबंध में फरीदाबाद पुलिस द्वारा आमजन को जागरुक करते हुए सूचित किया जाता है कि सर्वप्रथम पीडित (गम्भीर चोट), कानूनी उत्तराधिकारी (मृत्यु होने पर) मुआवजे के लिए क्लेम जांच अधिकारी जिस क्षेत्र में गम्भीर चोट या मृत्यु हुई हो उस क्षेत्र का उपमण्डल अधिकारी या तहसीलदार के सम्मुख आवेदन प्रस्तुत करेगा। आवेदन के उपरांत क्लेम जांच अधिकारी एक महिने के अंदर अपनी जांच रिपोर्ट क्लेम सेटलमेंट आयुक्त जिला मजिस्टेट या उपायुक्त या कलेक्टर के सम्मुख प्रस्तुत करेगा। क्लेम सेटलमेंट आयुक्त 15 दिन के अंदर स्वीकृति आदेश सामान्य बीमा परिषद के पास भेजेगा। इसके उपरांत सामान्य बीमा परिषद 15 दिन के अंदर मुआवजा आवेदक को ट्रांसफर करेगा।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को मोटरसाइकिल सहित किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेन्द्र कुमार मीणा के द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए आरोपियो की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा छ्स्न की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सत्यम टीटू कॉलोनी पल्ला का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से मोटरसाइकिल सहित एत्मादपुर पुल एरिया से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने मोटरसाइकिल को शिव कॉलोनी पल्ला से चोरी किया था, लालच में आकर मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अनजाम दिया है। पूछताछ के बाद आरोपी के साथ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

जानकारी

सीने में दर्द और जलन का कारण हो सकता है 'प्लूरिसी' रोग

फेफड़ों की झिल्लियों में हो जाता है इन्फेक्शन

सीने में दर्द और जलन हो, तो ये सिर्फ हार्ट अटैक या दिल की बीमारी का संकेत नहीं होता है, बल्कि कई बार फेफड़ों की बीमारी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्लूरिसी फेफड़ों से संबंधित रोग है। हमारे फेफड़ों की सुरक्षा के लिए उन पर पतली झिल्ली का दोहरा खोल चढ़ा होता है। इन झिल्लियों को प्लूरा कहते हैं। इसकी एक तह फेफड़ों के बाहरी भाग पर चढ़ी रहती है और दूसरी तह पसलियों के भीतरी भाग पर। इन्हीं झिल्लियों में होने वाले संक्रमण को प्लूरिसी कहते हैं।

इस संक्रमण के कारण झिल्लियों में सूजन आ जाती है। इन दोनों झिल्लियों के बीच द्रव की एक पतली पर्त होती है, जो इन्हें चिकनाहट प्रदान करती है। इस रोग के कारण इन झिल्लियों में सूजन आ जाती है और ये अपेक्षाकृत मोटी हो जाती हैं। इस वजह से दोनों झिल्लियां आपस में टकराने लगती हैं। इस टकराहट के कारण झिल्लियों के बीच का द्रव एक जगह ठहरने लगता है और जमने लगता है। इसके कारण रोगी को छाती में तेज जलन और दर्द महसूस होता है जो कभी-कभी असहनीय हो सकता है।

यह हैं रोग के लक्षण

चूंकि ये रोग फेफड़ों से संबंधित है इसलिए इस रोग के कारण मरीज को सांस लेने, छींकने और खांसने में बहुत परेशानी होती है। इस रोग का सबसे आम लक्षण सीने में तेज दर्द और जलन है, जिसके कारण छींकने और खांसने में तेज दर्द होता है। प्लूरिसी के कारण सांस लेने और छोड़ने में भी तकलीफ होती है और दर्द महसूस होता है। इस रोग के कारण छाती भारी लगने लगती है और खांसने के दौरान मुंह से कुछ गंदे पदार्थ भी निकल सकते हैं। इसके अलावा बुखार आना, भूख न लगना और शरीर का वजन तेजी से कम होने लगना आदि प्लूरिसी के लक्षण हैं।

प्लूरिसी रोग के कारण

प्लूरिसी में तीन तरह से सूजन आ सकती है- शुष्क प्लूरिसी, नम प्लूरिसी और एम्पाइमा प्लूरिसी। फेफड़े में बैक्टीरियल इंफेक्शन या छाती की मांसपेशियों में वायरल संक्रमण शुष्क प्लूरिसी के कारण होता है। कई बार फेफड़ों की टीबी, फेफड़े का ट्यूमर जैसे रोग होने पर खून की सप्लाई रुक जाने से भी प्लूरा की तहों में सूजन आ जाती है। नम प्लूरिसी तब होती है जब प्लूरिसी में पानी भर जाता है। टीबी के कारण प्लूरा में पानी भर जाता है। इसके अलावा निमोनिया, ट्यूमर, कैंसर के कारण भी प्लूरा प्रभावित हो सकती है। पेट के अंदरूनी अंगों में सूजन होने पर भी ये तकलीफ हो सकती है। दिल, गुर्दे और जिगर में से किसी एक के ठीक से काम न करने पर भी प्लूरा में पानी भर सकता है। इसके अलावा एम्पाइमा होने पर प्लूरिसी में खून एकत्र हो जाता है। चोट से प्लूरा में खून एकत्र होने व संक्रमण हो सकता है।

सही समय पर इलाज जरूरी

प्लूरिसी रोग खतरनाक और जानलेवा होता है, इसलिए इसका सही समय पर इलाज जरूरी है। सीने में तेज जलन, दर्द, चुभन आदि को बिल्कुल नजरअंदाज न करें। पेट के किसी भाग में कोई सूजन समझ आए या भूख न लगे और छाती भारी लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उचित सलाह लें। छाती के एक्स-रे या अल्ट्रासांउड में प्लूरा में पानी और मवाद के लक्षण दिख जाते हैं। अगर अल्ट्रासाउंड में प्लूरिसी रोग का पता चलता है तो इसका सही कारण जानने के लिए छाती के अंदर से सुई के माध्यम से नमूना निकालकर जांच की जाती है।

घरेलू इलाज

प्लूरिसी के लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन इसके दर्द से तत्काल राहत के लिए कुछ घरेलू नुस्खों की मदद ली जा सकती है। दर्द से राहत के लिए गरम पानी से सिंकाई या इलैक्ट्रिक हीटिंग पैड असरकारी है। अगर आप नियमित श्वसन से जुड़े व्यायाम करते हैं तो प्लूरिसी होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है, क्योंकि इससे फेफड़े को खुलने में मदद मिलती है।

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

सही व्यायाम से घटेगा वजन

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बढ़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलों में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नहीं होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलत: तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप वेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियों को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

सुझाव

पेट के ऊपरी हिस्से में हो रहा दर्द कहीं पैंक्रियाटाइटिस तो नहीं

पेट में दर्द कई कारणों से हो सकता है। कई बार ये सामान्य बीमारियों जैसे एसिडिटी, कब्ज, गैस आदि के कारण होता है और कई बार इसके पीछे कोई गंभीर बीमारी हो सकती है। अगर किसी को पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द हो रहा है तो संभव है कि उसे पैंक्रियाटाइटिस यानि अग्नाशयशोथ हुआ हो। ये रोग दो तरह का हो सकता है यानि एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस। इस बीमारी के नाम से आपको कुछ नहीं समझ आ रहा है तो घबराएं नहीं। हम आपको बता रहे हैं कि क्या है ये बीमारी और कैसे संभव है इससे बचाव।

क्या होता है पैंक्रियाटाइटिस

अग्नाशय पेट के पीछे उदर गुहा में होता है जो सामान्यत: छोटी आंत में खाना को पचाने वाले एंजाइम्स छोड़ता है। अग्नाशय से निकलकर जब ये एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचते हैं, तो एक्टिवेट होते हैं और खाना पचाने की प्रक्रिया शुरू होती है। अगर यही एंजाइम्स छोटी आंत में पहुंचने से पहले सक्रिय हो जाएं, तो अग्नाशय को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे अग्नाशय यानि पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है। अग्नाशय की इसी सूजन को प्रैंक्रियाटाइटिस कहते हैं। ये दो तरह के होते हैं। एक्यूट यानि तीव्र पैंक्रियाटाइटिस, जो तेजी से मरीज को अपनी चपेट में लेता है और इससे मरीज के दिल, फेफड़े या गुर्दे पर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरा क्रॉनिक पैंक्रियाटाइटिस यानि दीर्घकालिक पैंक्रियाटाइटिस, जिसमें मरीज को लंबे समय तक इस अंग विशेष में सूजन रहती है। पैंक्रियाटाइटिस एक गंभीर बीमारी है क्योंकि ये मरीज के दिल को भी प्रभावित कर सकती है। एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में मरीज को अचानक से इसका दर्द हो सकता है और इसका कारण ज्यादा मात्रा में शराब पीना, पित्ताशय में पथरी या किसी एक्सीडेंक के कारण लगी चोट हो सकती है। इसमें मरीज की जान को खतरा होता है।

यह हो सकते हैं बीमारी के कारण

पैंक्रियाटाइटिस गंदगी के कारण होता है। सड़क के किनारे खड़े ठेलों और रेहड़ी पर बनने वाले फूड्स जिनमें मक्खियां भिनभिनाती हैं और धूल-मिट्टी भर जाती हैं, उन्हें खाने से पैंक्रियाटाइटिस का खतरा होता है। इसके अलावा पैंक्रियाटाइटिस का सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन है। ज्यादा मात्रा में शराब पीना या लगातार शराब पीने से पैंक्रियाज प्रभावित होते हैं। इसके अलावा कुछ दवाइयों के रिएक्शन से, पित्त नलिका में बाधा आने से, किसी संक्रमण से या खून में कैल्शियम घुलने से ये रोग हो सकता है। सही समय पर इलाज न करने से इस रोग के कारण पैंक्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे करें बचाव

पैंक्रियाटाइटिस से बचाव के लिए एल्कोहलिक पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा एलर्जेंस यानि ऐसे पदार्थ जिनसे एलर्जी की संभावना होती है जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया प्रोडक्ट्स, केमिकल वाले फूड्स का सेवन बंद कर दें। कैफीन वाले पदार्थों का सेवन भी कम कर दें। इसके अलावा खाने में फल, सब्जियां, प्रोटीनयुक्त आहार, अनाज, ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल आदि का सेवन शुरू कर दें। रोजाना योग करें और तनाव से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3330

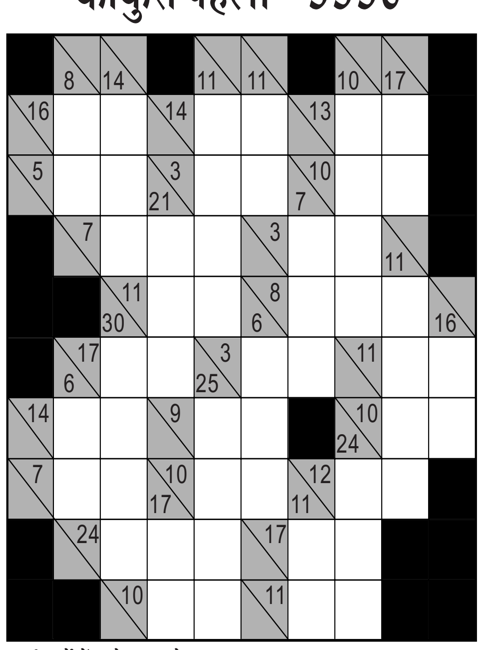

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

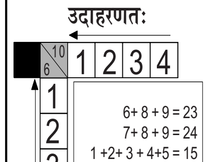

6+ 8 + 9 = 23
7+ 8 + 9 = 24
1 +2+ 3 + 4+5 = 15
1 +2+ 3 + 4+6 = 16

काकुरो - 3329 का हल

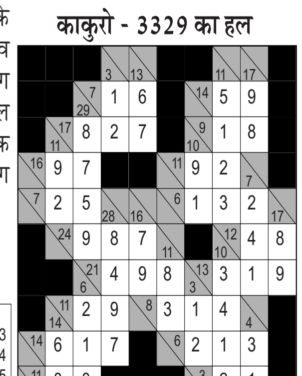

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3330

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3329

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -3330

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3329 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 3330

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -3329 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दौ	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	क्ता		ख		स	द		र्ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	द्दा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

बल्लभगढ़ के सभी सैक्टर्स की सड़क, सीवर और पानी की व्यवस्था को किया जाए दुरुस्त : पं. मूलचंद शर्मा विधायक

विकास कार्यों को लेकर एचएसवीपी के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। विधायक और पूर्व केबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बल्लभगढ़ के सभी सेक्टर की समस्याओं और नए विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। यह बैठक सेक्टर 8 कार्यालय पर की गई। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को मीटिंग में दिशा निर्देश देते हुए कहा कि बल्लभगढ़ के सेक्टरों से लगती है हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की खाली पड़ी हुई काफी जमीन है ऐसी खाली पड़ी जमीनों पर भी विभाग द्वारा नए कार्यों के लिए प्लान तैयार किया जाए ताकि यह जमीन कब्जा होने से बच सके और सरकार को रेवेन्यू मिल सके। बैठक में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधीक्षण अभियंता संदीप दहिया,अधीक्षक अभियंता अजीत सिंह, कार्यकारी अभियंता जोगिंदर सिंह,एसडीओ प्रेमप्रकाश,एसडीओ राजेंद्र सिंह सहित बल्लभगढ़ सेक्टर्स से सम्बनधित सभी जेई भी मौजूद रहे। अधिकारियों को मौके पर विधायक मूलचंद शर्मा ने सेक्टर के लोगों की समस्याओं से अवगत कराया और कहा कि जल्द से जल्द यह समस्याएं दूर की जाए जिसमें सीवर की समस्या मुख्य है विधायक श्री मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सेक्टर 2 ,सेक्टर 64 ,सेक्टर 65 सेक्टर 64 सी, सेक्टर 64 डी, सेक्टर 62 में सीवर के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था कराए और पीने के पानी की दिक्कत भी यहां के निवासियों को नहीं आनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि साफ सफाई प्रमुखता से सेक्टर के अंदर कराने का काम करें। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि सेक्टर के अंदर टूटी हुई सभी सड़कों को जल्द से जल्द दुरुस्त करने का काम करें ,इसके अलावा जो विकास कार्य चुनावो के दौरान प्रभावित हुए हैं उन्हें भी जल्द से जल्द तेज गति के साथ पूरा करें।

पटाखों के गोदाम में लगी आग, मालिक पर मामला दर्ज

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। तीन दिन पूर्व गांव लहडौला में पटाखों के गोदाम में लगी आग मामले में पुलिस ने गोदाम के मालिक व किराएदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 19 अक्टूबर को पुलिस चौकी चांदपुर की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस टीम को पुलिस कंट्रोल रुम से सुचना प्राप्त हुई कि गांव लहडौला में एक पटाखों के गौदाम में आग लगी हुई है व पटाखे फटने की आवाज आ रही है, जिस पर पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड के हेल्पलाईन नम्बर 101 पर सम्पर्क कर सूचना दी। फायर ब्रिग्रेड की तीन गाडियां मौके पर आई जिनकी मदद से आग पर काबू पाया गया। मौके पर पटाखे के कुल पैकेट 203 पैकेट मिले व बिखरे, जले व गिल्ले पटाखा के भी मिले, इस प्रकार कुल 139 किलोग्राम पटाखे बरामद हुए। पुलिस चौकी चांदपुर द्वारा गौदाम मालिक विनोद व किराएदार अमीत से पटाखों के संबंध में दस्तावेज/अनुमति उपलब्ध कराने बारे सूचना दी गई परन्तु किसी प्रकार का कोई दस्तावेज व अनुमति प्रस्तुत नही की गई जिसपर गौदाम के मालिक विनोद व किराएदार अमीत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में अनुसंधान जारी है। उधर अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने अवैध पटाखों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी हरी किशन धीरज नगर पल्ला का रहने वाला है। जिसको अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर थाना पल्ला के एत्मादपुर पुल एरिया से काबू किया है। आरोपी से मौके पर 27.566 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए है। जिसके खिलाफ थाना पल्ला में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी परचून की दुकान चलाता है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए दिल्ली में किसी व्यक्ति से 14000/- रु में प्रतिबंधित पटाकें खरीद कर लाया था जिनको बेचने का काम कर रहा था। पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

समस्याओं के निवारण में सार्थक साबित हो रहे समाधान शिविर : ए. मोना श्रीनिवास

47 शिकायतों में से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही हुआ निपटारा

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आम जन शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के लिए निगमायुक्त ए. मोना श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को निगम मुख्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसके अलावा बल्लबगढ़ जोन में संयुक्त आयुक्त कर्ण, ओल्ड जोन में संयुक्त आयुक्त सुमित और ग्रेटर फरीदाबाद में संयुक्त आयुक्त कुमारी द्विजा की अध्यक्षता में सुबह 9.00 बजे 11.00 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में आम जन के लिये सभी आवश्यक सुविधाऐं जैसे-पीने के पानी, कुर्सियों आदि की सुविधा का प्रबन्ध भी किया गया। उक्त समाधान शिविर में निगम मुख्यालय से 16 शिकायतें, ओल्ड जोन से 10 शिकायते, बल्लबगढ़ जोन से 19 शिकायतें तथा ग्रेटर फरीदाबाद से 2 शिकायतें प्राप्त हुई। मंगलवार को लगने वाले समाधान शिविरों में कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निपटान किया गया तथा प्रार्थियों ने भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की। समाधान शिविर में प्रॉपर्टी आईडी, पानी/सीवरेज, सडक़ें व सफाई संबंधित शिकायत प्राप्त हुई, जिसके लिए वहां संबंधित अधिकारीगणों को निर्देश दिए गए कि वे उक्त शिकायतों का निपटान शीघ्र अति शीघ्र करे।

वहीं समाधान शिविर में आए प्रार्थियों की शिकायतों को जिन्हें लिखने में परेशानी हो रही थी उनकी शिकायतों को नगर निगम के कर्मचारियों की सहायता से लिखवा कर व पूरे दस्तावेज लगाकर समाधान भी मौके पर करवाया गया। निगमायुक्त ए. मोना श्रीनिवास ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन लगने वाले समाधान शिवरों में निर्देश दिए है कि वे जनता की शिकायतों को शान्तिपूर्वक सुने और सभी शिकायतकर्ताओं विशेषतौर पर वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों तथा महिलाओं का सम्मान करते हुए उनकी शिकायतों का निवारण करे।

रियर एडमिरल संजय अधाना को आकाश जय नागर ने पदोन्नति पर बधाई दी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। समाजसेवी आकाश जय नागर, सुपुत्र वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जे पी नागर ने आज गांव तिगांव में आयोजित एक सम्मान समारोह में रियर एडमिरल संजय अधाना जी का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय नौसेना के रियर एडमिरल संजय अधाना जी को उनकी हालिया पदोन्नति पर बधाई दी और उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच महमूदपुर राम सिंह नेताजी, राम कुमार शर्मा और विजयपाल नागर भी उपस्थित थे।

रियर एडमिरल संजय अधाना, जो हाल ही में 1 अक्टूबर 2024 को भारतीय नौसेना मुख्यालय, दिल्ली में रक्षा मंत्रालय (नौसेना) के सहायक प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण कर चुके हैं, को इस सम्मान के दौरान आकाश जय नागर द्वारा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। रियर एडमिरल अधाना को 27 नवंबर 1993 को नौसेना की इंजीनियरिंग शाखा में कमीशन प्राप्त हुआ था। अपनी नई भूमिका से पहले उन्होंने कमोडोर (डॉकयार्ड)/एनएचक्यू, आईएनएस एक्सीला के कमांडिंग ऑफिसर और पश्चिमी नौसेना कमान के अतिरिक्त सीईओ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। इस अवसर पर आकाश जय नागर ने कहा, रियर एडमिरल संजय अधाना जी ने न केवल गांव तिगांव बल्कि पूरे देश का नाम गर्व से ऊँचा किया है। उनका समर्पण और नेतृत्व भारतीय नौसेना को और भी सशक्त बनाएगा। हमें उन पर गर्व है और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने रियर एडमिरल संजय अधाना को बधाई दी और उनके अद्वितीय सेवा और योगदान के लिए सराहना की। इस अवसर पर तिगांव गांव में गर्व और हर्ष का माहौल देखने को मिला।

अभिषेक ने जज परीक्षा पास कर किया फरीदाबाद का नाम रोशन : सुमित गौड़

कांग्रेसी नेताओं ने अनंगपुर पहुंचकर अभिषेक भड़ाना का किया सम्मान

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद के गांव अनंगपुर निवासी अभिषेक भड़ाना द्वारा हरियाणा सिविल सेवा न्यायिक परीक्षा (जज) उत्तीर्ण करने पर आज जिले के कांग्रेसियों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर मुख्य रुप से कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, लोकसभा अध्यक्ष रिंकू चंदीला, श्याम नेताजी बड़ौली मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने अभिषेक भड़ाना को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और उनका मुंह मीठा कराया। इस मौके पर सुमित गौड़ ने कहा कि अभिषेक भड़ाना ने अपनी उपलब्धि से न केवल गांव अनंगपुर बल्कि फरीदाबाद का नाम पूरे देशभर में रोशन करने का काम किया है। अभिषेक ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि अगर मेहनत की जाए तो हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनंगपुर के स्कूल में पढ़े अभिषेक ने दिल्ली से ग्रेएजुशन और लॉ की पढ़ाई की और उसके बाद एक बार यूपी में हरियाणा सिविल सेवा न्यायिक परीक्षा दी, लेकिन वहां उन्हें असफलता मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत करके हरियाणा सिविल सेवा न्यायिक परीक्षा पहली बार में ही उत्तीर्ण करके सफलता हासिल की। सुमित गौड़, रिंकू चंदीला, श्याम नेताजी आदि ने उनके दादा चौ. अतर सिंह भड़ाना, पिता सुंदर सिंह भड़ाना, चाचा नरेश भड़ाना आदि से आर्शीवाद लेते हुए अभिषेक की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

पराली जलाने वालों पर होगी एफआईआर दर्ज

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, फरीदाबाद ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अनुपालना में यह निर्णय लिया गया है कि जो किसान पराली जलाएगा उसके खिलाफ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एफआईआर दर्ज कराएगी। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ऐसे किसानों की 'मेरा फसल मेरा ब्योरा' में रेड एंट्री दर्ज की जाएगी तथा दो सीजन तक धान, गेहूं व अन्य सभी फसलों को मंडी में बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक डॉ अनिल कुमार ने बताया कि किसान पराली न जलाकर मशीनो का प्रयोग से खेतो में अवशेष मिला सकते है। सरकार की स्कीम के तहत जो किसान सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रिवर्सिबल एम0 बी0 प्लो, जीरो टिल सीड ड्रिल, रोटावेटर व हैरो द्वारा पराली अवशेषों को भूमि मे मिलाएगा वे किसान इन सीटू व एक्स सीटू प्रबंधन स्कीम के तहत एक हजार रू0 प्रति एकड़ का लाभ उठा सकते है। ऐसा करने से किसानो को आर्थिक रूप से लाभ पंहुचेगा और पराली से पैदा होने वाले धुएं के प्रदूषण से भी बचाएगा।

सात पाकिस्तानियों को जिलाधीश ने दिलाई भारतीय नागरिकता की शपथ

उपायुक्त ने भारतीय संविधान की अनुपालना की शपथ दिलाते हुए दी शुभकामनाएं

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद में जिलाधीश विक्रम सिंह ने मंगलवार को सात पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की है। नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 के अधीन भारत के नागरिक के रूप में रजिस्ट्री कृत करने अथवा धारा 6 के अधीन उसे देशीकरण संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के तहत यह नागरिकता जिलाधीश विक्रम सिंह ने प्रदान की है।

जिलाधीश विक्रम सिंह ने अपने कार्यालय में पकिस्तान से आए महिला-पुरूष नागरिकों को शपथ दिलाई। इनमें राकेश प्रकाश, बेमला देवी, जीतो लाल, ज्ञान चंद, सीतन बाई, उम्मीद कुमार और हंसराज शामिल रहे। सभी ने हिंदी में भारतीय संविधान की अनुपालना की शपथ ली। उपायुक्त ने नागरिकता मिलने पर सबको बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक होना अत्यधिक गर्व और सम्मान की बात है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है।

जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि भारत में सबको समान रूप से अधिकार प्राप्त हैं। सबको देश की मजबूती व अखंडता के लिए एकजुटता के साथ सक्रिय योगदान देना चाहिए। यहां के मूल नागरिकों के साथ अन्य देशों से आने वाले लोगों को भी भारतीय नागरिकता लेने के साथ परंपराओं व संस्कृति को अपनाते हुए आगे बढना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने संबंधित नागरिकों के साथ अन्य मामलों पर भी चर्चा करते हुए शुभकामनाएं दी। आपको बता दें कि पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की शक्ति प्रदान की है। इनमें फरीदाबाद के जिलाधीश भी शामिल हैं। केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों के किसी भी व्यक्ति इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार जिलाधीश को दिया है। देश के गुजरात राज्य के मोरबी, राजकोट, पाटन एवं बड़ोदरा और छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग तथा बलोदा बाजार, राजस्थान प्रांत के जालौर, उदयपुर, पाली, बाड़मेर और सिरोही, हरियाणा प्रांत के फरीदाबाद तथा पंजाब प्रांत के जालंधर के जिलाधीश को भारत सरकार ने नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है।

बेटी बिपाशा खटाना ने समाज का नाम रोशन किया : राजेश नागर

हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने सिविल जज बनने पर बिपाशा खटाना को दी बधाई

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर ने आज गांव फरीदपुर की बेटी बिपाशा खटाना के निवास पर जाकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बिपाशा खटाना ने हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा पास कर सिविल जज बनकर समाज का और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नागर ने कहा कि बेटियों की तरक्की पर हमें गर्व है। बेटियां समाज की सांझी विरासत होती हैं और उनकी तरक्की से समाज की तरक्की होती है। उन्होंने कहा कि वह समाज अपने पीछे विरासत छोड़कर जाता है जो बेटियों को इज्जत मान सम्मान देता है। हमें अपनी बेटियों को खूब पढ़ने और बढ़ने के मौके देने चाहिए क्योंकि वह शक्ति का पर्याय हैं। शक्ति के बिना कुछ भी नहीं हो सकता वैसे ही बेटी के बिना भी समाज नहीं चल सकता। राजेश नागर ने कहा कि हमारी सरकार में बेटियों को पढ़ने और बढ़ने के खूब अवसर दिए हैं। वहीं बिना पर्ची बिना खर्चे की नौकरियां लगने के लिए हरियाणा सरकार की पूरे देश में प्रशंसा होती है। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि यह परिवार और क्षेत्र धन्य है, जहां बेटी बिपाशा ने पढ़ लिखकर जज बनने का कीर्तिमान बनाया है। वह अपनी कलम से वंचितों को न्याय दिलाने का काम करें। मेरी इसके लिए बड़ी शुभकामनाएं हैं। नागर ने बिपाशा खटाना के परिवार को भी खूब बधाइयां दी। वहीं मौजूद लोगों ने भी राजेश नागर को राज्य सरकार में राज्य मंत्री बनने पर बधाइयां दीं।

संपादकीय

आखिर कब थमेंगे आतंकी हमले?

लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुन: विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार खूनी होते जा रहे लोकतंत्र और इसको संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है ?

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं ? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है!

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (ञ्जक्रस्न) ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए।

मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था।

सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था ? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है ? यदि ऐसा है तो यह बेहद खौफनाक है। मेरा स्पष्ट मानना है कि घाटी के विकास को परवान चढ़ा रहे मजदूरों को निशाना बनाकर आतंकियों ने बड़ी कायरता और मूर्खता का परिचय दिया है।

सवाल है कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद यह पहला ऐसा मौका है जब विकास की परियोजना पर आतंकियों ने सीधे हमला किया है। जिस टनल के लिए यह मजदूर काम कर रहे थे वो भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। इस साल कश्मीर में टीआरएफ का ये पहला बड़ा हमला है। इससे पहले इस साल जम्मू में इस संगठन ने आतंकी हमले को अंजाम दिया। भले ही केंद्रीय गृह सचिव ने इस आतंकी हमले की जानकारी जम्मू कश्मीर डीजीपी से ली और आतंकियों के खिलाफ चल रहे काउंटर ऑपरेशन का भी ब्योरा लिया।

जानकारों का कहना है कि इस साल जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, वह जम्मू में हुए हैं। लेकिन यह पहली बार है जब कश्मीर में इस साल इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है।

वहीं, पहली बार ऐसा हुआ है कि स्थानीय (लोकल) और बाहरी (नॉन लोकल) दोनों को टारगेट किया गया है। इससे साफ है कि विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले को पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन भी अपना रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। क्योंकि गांदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह आल वेदर रोड है, जिसका निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है। यह रोड़ सीधे गांदेरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है।

एक सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के गठन के महज चार दिनों के बाद ही आतंकवादियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ही विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में इतना बड़ा आतंकी हमला क्यों बोला है और इसके जरिए आतंकियों ने क्या संदेश देने की जुर्रत की है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के ऐलान और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के मात्र चार दिनों के अंदर आतंकियों ने गांदरबल में आतंकी हमला बोला है। जहां उन्होंने गुंड इलाके में सुरंग के निर्माण पर काम कर रही एक निजी कंपनी के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई।

दरअसल, यह आतंकी हमला सियासी रूप से भी काफी अहम है। क्योंकि जिस इलाके में यह हमला हुआ है, वह सीएम उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल के अधीन आता है और यहां से उमर अब्दुल्ला ने जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार का गठन किया है। क्या 370 की बहाली पर चुप्पी साधकर और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवाए जानें की सीएम उमर की रणनीति से आतंकवादी नाखुश हैं, क्योंकि जम्मूकश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने के उमर कैबिनेट के प्रस्ताव को अब रु की मंजूरी का इंतजार है, जो देर-सबेर मिल ही जाएगी।

समझा जा रहा है कि चूंकि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन के बाद उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का वादा किया है। वो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं। साथ ही वह कश्मीर से विस्थापित हुए पंडितों की बात कर रहे हैं। इसलिए आतंकी आका उनकी इस नई चाल से परेशान हैं। जम्मू कश्मीर की सरकार के गठन के बाद कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव भी पारित किया है और उसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी भी दे दी है। इस तरह से पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अब इस पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है और लोकसभा और राज्यसभा में संशोधन विधेयक लाकर इसको अमलीजामा पहनाना बाकी है। केंद्र सरकार पहले ही पूर्ण राज्य के दर्जे की बात कह चुकी है।

आमजन की समस्याओं के निवारण के लिए सरकार के निर्देश पर लगाए जा रहे हैं समाधान शिविर : एसडीएम

शिविर में लोगों की प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशनों आदि से संबंधित शिकायतों का हो रहा है मौके पर समाधान

प्रत्येक कार्यदिवस को प्रात: 9 से 11 बजे तक लगाया जायेंगे समाधान शिविर

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल तथा सिवानी के एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आमजन की समस्याओं के निवारण के लिए खंड स्तर पर नगर पालिका कार्यालय तथा संबंधित बीडीपीओ कार्यालय में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। लोहारू में नगर पालिका कार्यालय में नगर पालिका सचिव तेजपाल तंवर तथा बीडीपीओ कार्यालय में बीडीपीओ धर्मपाल, बहल खंड में बीडीपीओ कार्यालय में बीडीपीओ सुमित कुमार तथा सिवानी में नगर पालिका कार्यालय में नगर पालिका सचिव सुनील कुमार बीडीपीओ कार्यालय में बीडीपीओ अमित कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को समाधान शिविर लगाए गए। आमजन की समस्याओं के निवारण के लिए प्रत्येक कार्य दिवस को प्रात: 9:00 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। समाधान शिविर में लोगों की प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशनों आदि से संबंधित मामलों की समस्याएं सुनी जा रही हैं।आमजन से संबंधित समस्याओ के समाधान करने के लिए प्रशासन तुरंत कार्यवाही की जा रही है। समाधान शिविर प्रात: 9 से 11 बजे तक लगाया जा रहा है।

एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं को संबंधित अधिकारी प्राथमिकता से उनका समाधान करें। सभी अधिकारी व कर्मचारी निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करें, जिससे लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में प्रशासन द्वारा खंड स्तर पर प्रत्येक कार्य दिवस पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविर में पहुंचकर नागरिक अपनी शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवा सकता है। उन्होंने लोगो से आह्वान किया है कि सरकार द्वारा लगाए गए जा रहे समाधान शिविरों के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान करवाएं और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ उठाएं।

प्रदेश सरकार ने जनता की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने व आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा गंभीर है। समाधान शिविर में आने वाले समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाएगा। सरकार ने प्रत्येक कार्य दिवस में समाधान शिविर का आयोजन करके लोगों की समस्याओं को दूर करने का उद्देश्य रखा है। सरकार का यह कदम आमजन को सुविधा प्रदान करेगा व बेहतर और समृद्ध समाज के निर्माण में सहायक रहेगा। सरकार निरंतर लोगों के जीवन स्तर को सुधारने और समृद्धि को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में डिप्थीरिया मरीजों के ईलाज के लिए शहीद हसन खां मेडिकल कॉलेज में अलग वार्ड स्थापित : एडीसी प्रदीप सिंह

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक की अध्यक्षता में मंगलवार को उनके कार्यालय में डिप्थीरिया, गलघेंटू को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो इस मामले में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करें। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह ने निर्देश दिए गए कि सरकारी/निजि विद्यालयों में पढने. वाले छात्र/छात्राओं को डिप्थीरिया (गलघोटू) की रोकथाम के लिए टीकाकरण किया जाएगा तथा सभी विद्यालय प्रभारी / निदेशक इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को सहयोग करेंगे। एडीसी ने बताया कि शहीद हसन खां मेडिकल कॉलेज में डिप्थीरिया के मरीजों के ईलाज हेतू अलग वार्ड बनाया गया है तथा यह भी बताया गया कि गले में सूजन, बुखार, निगलने में परेशानी व गले में सफेदी नजर आए तो तुरंत ही नजदीकी अस्पताल में ईलाज करवाएं। सिविल सर्जन डा. सर्वजीत सिंह ने बताया कि यह बीमारी कॉरीनेबैक्टेरियम डिप्थीरिया बैक्टीरिया के इंफेक्शन होती है और इसके बैक्टीरिया टांसिल व सांस नली को सबसे ज्यादा संक्रमित करते हैं। सांस लेने में दिक्कत, गर्दन में सूजन, बुखार, खांसी आदि हैं इसके लक्षण है। उन्होंने बताया कि बच्चे का टीकाकारण नियमित कराया जाये तो यह संक्रमण नहीं फैलता। उन्होंने बताया कि डिप्थीरिया एक संक्रामक बीमारी है, यह संक्रमण से फैलती है, इसकी चपेट में ज्यादातर बच्चे आते हैं तथा इंफेक्शन से फैलने वाली यह बीमारी किसी भी आयुवर्ग को हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी के होने के बाद सांस लेने में परेशानी होती है। यदि कोई व्यक्ति इसके संपर्क में आता है तो उसे भी डिप्थीरिया हो सकता है। यदि इसके लक्षणों को पहचानने के बाद यदि इसका उपचार न करायें तो यह पूरे शरीर में फैल जाता है, और यह एक बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य डिप्थीरिया के प्रसार को रोकना तथा इसके प्रति जागरूकता बढना था। इस मौके पर एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, जिला आयुष अधिकारी डा. यशबीर गहलावत, उप-सिविल सर्जन डा. आशिष, जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल, डा. संजीव अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहें।

जूनियर रेडक्रॉस शिविर के दूसरे दिन जूनियर्स को अनेक विषय पर किया गया जागरूक

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। उपायुक्त एवम अध्यक्ष ज़िला रैड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद विक्रम सिंह के निर्देशानुसार एवं सचिव श्री विजेंद्र सौरोत के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण 21 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2024 तक राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन आई टी 5 फरीदाबाद के प्रांगण में चल रहे जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन का आरंभ रेडक्रॉस प्रार्थना व रेडक्रॉस झंडा गीत के साथ शुरू हुआ।

प्रवक्ता मीनू कौशल के द्वारा सी पी आर से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि सीपीआर का मतलब है कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन। यह भी एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानी फर्स्ट एड है। जब कोई व्यक्ति सांस न ले पा रहा हो और बेहोश हो जाए तो सीपीआर से उसकी जान बचाई जा सकती है। हार्ट अटैक यानी दिल का दौरा पड़ने पर तो सबसे पहले और समय पर सीपीआर दे दिया जाय तो पीड़ति की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सीपीआर में दबाव और कृत्रिम सांस का एक खास अनुपात होता है। 30 बार छाती पर दबाव बनाया जाता है तो दो बार कृत्रिम साँस दी जाती है। ये प्रक्रिया तब तक चलने देनी है जब तक पीड़ति खुद से सांस न लेने लगे।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य स्वैच्छिक रक्तदान उप समिति के सदस्य मनोज बंसल द्वारा रक्तदान करने के बारे में जागरूक किया उनके द्वारा बताया गया कि रक्तदान से शरीर में किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है। रेडक्रॉस नशा मुक्ति केंद्र के परियोजना निदेशक व परामर्शदाता धर्मेंद्र के द्वारा नशा करने के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। उनके द्वारा बताया गया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग एक लत है जो नशे की लत वाली दवाओं के बार-बार उपयोग से होती है। शिविर निदेशक एम सी धीमान ने दूसरे दिन के शिविर का समापन पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ किया गया। सभी विद्यार्थियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मीनू कौशल, दर्शन भाटिया, अरविंद शर्मा, मनदीप, सरोज बाला व अन्य रेडक्रॉस स्टाफ एवं स्कूल स्टाफ ने पूर्ण सहयोग दिया।

नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र फरीदाबाद ने मंगलवार को अरुण जेटली, राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद (ह्लढ्ढस्नरू) में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र एवं जज्बा फाउंडेशन के सहयोग से माई भारत स्वक्चद्धड्डह्लड्डह्ल के तत्वावधान में नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम आयोजन जिला युवा अधिकारी प्रियंका मलिक के दिशा निर्देश अनुसार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव बिजेंदर सौरोत ने युवा को नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूक करते हुए बताया कि देश एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिससे युवाओं में नशीली दावों की लत और मादक द्रव्यों के सेवन का बढ़ावा बढ़ता प्रचलन यह लत ना सिर्फ उनके शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। बल्कि उनके भविष्य के अवसरों को भी खतरे में डालती है। हमें नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन नहीं करना चाहिए। हमें अपने आसपास के सभी लोगों से नशीली दवाओं को खाने से जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम में विशिष्ठतिथि के रूप में आये जिला रैड क्रॉस सोसाइटी के जिला प्रशिक्षण अधिकारी पुरषोत्तम सैनी ने सेक्टर -14 स्थित नशा मुक्ति केंद्र की सम्पूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि यदि भविष्य कभी भी आपको अपने आस-पड़ोस में कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार के नशे से ग्रसित दिखाई देता है तो आप लोग उस व्यक्ति को नशा मुक्ति केंद्र में एडमिट करा सकते है जहाँ हमारी टीम के अच्छे व प्रशिक्षित डॉक्टरो द्वारा उस व्यक्ति का इलाज बिल्कुल मुफ्त में किया जाएगा। अरुण जेटली, राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद के प्रोफेसर ऋषि मेहरा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन आजकल के युवाओं के लिए बहुत जरूरी है समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना बहुत आवश्यक है।

कार्यक्रम संयोजक हिमांशु भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य युवाओं को नशीली दवाओं के सेवन के हानिकारक प्रभावों जिसमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक मुद्दे शामिल हैं के बारे में शिक्षित करना था। इस कार्यक्रम ने युवाओं को खेल, कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामुदायिक सेवा जैसी सकारात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में 50 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया व सभी युवाओं के द्वारा कार्यक्रम के अंत में शपथ लेकर नशा न करने का प्रण भी लिया गया। इस अवसर पर प्रवेश मलिक , अनिल गेरा कमलेश नागपाल, विजयपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रोपर्टी आईडी ठीक करवाने के दर-दर की ठोकरें खाकर बैठ चुके नागरिकों ने समाधान शिविर से बनाई दूरी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना नगरपालिका परिधि में जिस यासी कम्पनी की ओर से प्रोपर्टी आईडी सर्वे का कार्य दिया गया था वह नागरिकों के लिए सिरदर्द बन गया है। इस बारे में एडवोकेट मनोज शर्मा, वीरेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा ने कहा कि व्यवसायिक तथा रेजीडेंसियल क्षेत्र के लोग प्रापर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाकर थक चुके अब कहीं भी जाने भी जाने से परहेज करने लगे हैं। प्रोपर्टी आईडी में त्रुटियों की भरमार के चलते इस कम्पनी को तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था जिसे सीएम नायब सैनी ने विस चुनाव से पूर्व दुबारा से बहाल कर दिया था। उन्होंने कहा कि कम्पनी को ब्लैक लिस्ट कर बहाल करने से आमजन को कोई लाभ नहीं हुआ उनकी ओर से प्रोपर्टी आईडी का दुबारा से सर्वे करवाने की मांग की है। हालांकि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से मंगलवार 22 अक्टूबर से प्रदेश के सभी स्थानीय निकाय कार्यालयों में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कनीना नपा कार्यालय में कोई व्यक्ति प्रोपर्टी आईडी ठीक करवाने को लेकर नहीं पंहुचा। इस बारे में नगर पालिका सचिव समयपाल सिंह ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए शिविर का आयोजन किया है। पहले दिन कोई भी व्यक्ति समाधान शिविर में नहीं पंहुचा।

कनीना में आयोजित समाधान शिविर में 19 व्यक्तियों की पेंशन के आवेदन लिए

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय कनीना में आयोजित समाधान शिविर में एसईपीओ कृष्ण लाल तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने वृधावस्था पेंशन बनाने का कार्य किया। मंगलवार को 19 पात्र व्यक्तियों की पहचान कर पेंशन बनाने का कार्य किया। इस बारे में विभाग की ओर से आवेदकों को दूरभाष पर जानकारी देकर खंड विकास कार्यालय में आने को कहा गया था। कार्यालय में पंहुचे व्यक्तियों के कागजात की जांच कर उन्हें पेंशन का आश्वासन दिया। एसईपीओ कृष्ण लाल ने कहा कि सरकार की हिदायत अनुसार समाधान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें जरूरतमंद व्यक्तियों के आवदेनों तथा शिकायतों का समाधान किया जा रहा है।

यातायात निरीक्षक ने भडफ स्कूल के विद्यार्थियों को दी नियमों की जानकारी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। यातायात थाना इंचार्ज निरीक्षक नरेश कुमार ने कनीना खंड के गांव भडफ स्थित निजी स्कूल के विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात नियमों की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस जागरूकता शिविर में उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क पर बाईं ओर चलते समय किसी भी अप्रिय घटना से खुद को बचाने के लिए सड़क सुरक्षा नियम की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नाबालिग युवक वाहन चनाने से बचें। दुपहिए वाहन पर प्रेशर हार्न का प्रयोग नहीं करना चाहिए, तेज रफ्तार से वाहन नहीं चलाना चाहिए। यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। बगैर लाइसेंस वाहन न चलाएं। लर्निंग लाइसेंस केवल वाहन सीखने के लिए होता है। इस दौरान भी कोई एक्सपर्ट साथ होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि नियमों की जानकारी होने से हादसे से बचा जा सकता है। यातायात निरीक्षक ने विद्यार्थियों से सुरक्षित यातायात को लेकर सवाल-जवाब भी किए। इस दौरान स्कूल बस ड्राइवरों को नियमों की पालना करने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि वे शराब का सेवन कर वाहन न चलाएं, बसों के सभी कागजात कंप्लीट रखें, चलाने से पहले वाहन को अच्छी तरह से जांच ले कि कहीं कोई कमी तो नहीं है, वाहन को तेज गति से न चलाए तथा ओवरटेक ना करें, सुरक्षित दूरी में अपना वाहन चलाएं, मुड़ते समय इंडिकेटर का प्रयोग करें, मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। बसे परिचालकों से कहा किवे विद्यार्थियों को बस में चढ़ाते और उतारते समय ध्यान रखें और सावधानी से रोड क्रॉस कराएं। ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा वीडियो के माध्यम से ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई।

कनीना आनाज मंडी में एमएसपी पर खरीदा गया 256689 क्विंटल बाजरा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना आनाज मंडी में अब तक 9565 किसानों से 256689 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। खरीदे गए बाजरे में से 156710 क्विंटल बाजरे का उठान कर जींद तथा पलवल के गोदाम में भेजा गया है। विदित रहे कि बीते एक अक्टूबर से खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस द्वारा एमएसपी 2625 रूपे प्रति क्विंटल की दर से बाजरे की खरीद शुरू की गई थी। उसके बाद सप्ताहभर से हैफेड द्वारा बाजरे की खरीद की जा रही है। कनीना-अटेली मार्ग स्थित नयी आनाज मंडी चेलावास में खरीद एजेंसी हैफेड के खरीद अधिकारी रिषी शर्मा व मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि नियमित रूप से बाजरे की खरीद की जा रही है। मंडी में आने वाले किसानों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। किसान ई-खरीद पोर्टल से गेट पास लेकर मंडी में पंहुच रहे हैं। जो बिना गेटपास का इंतजार किए अपनी फसल बेच रहे हैं। खेत खाली होने पर किसानों द्वारा सरसों की बिजाई शुरू कर दी गई है। इस मौके पर बंटी चेलावास, आदेश कुमार, सतीश कुमार, नरेश कुमार, टिंकू, धर्मदत्त, राधेश्याम झाडली, मनीष गुप्ता, भरपूर सिंह, अशोक कुमार,संदीप उपस्थित थे।

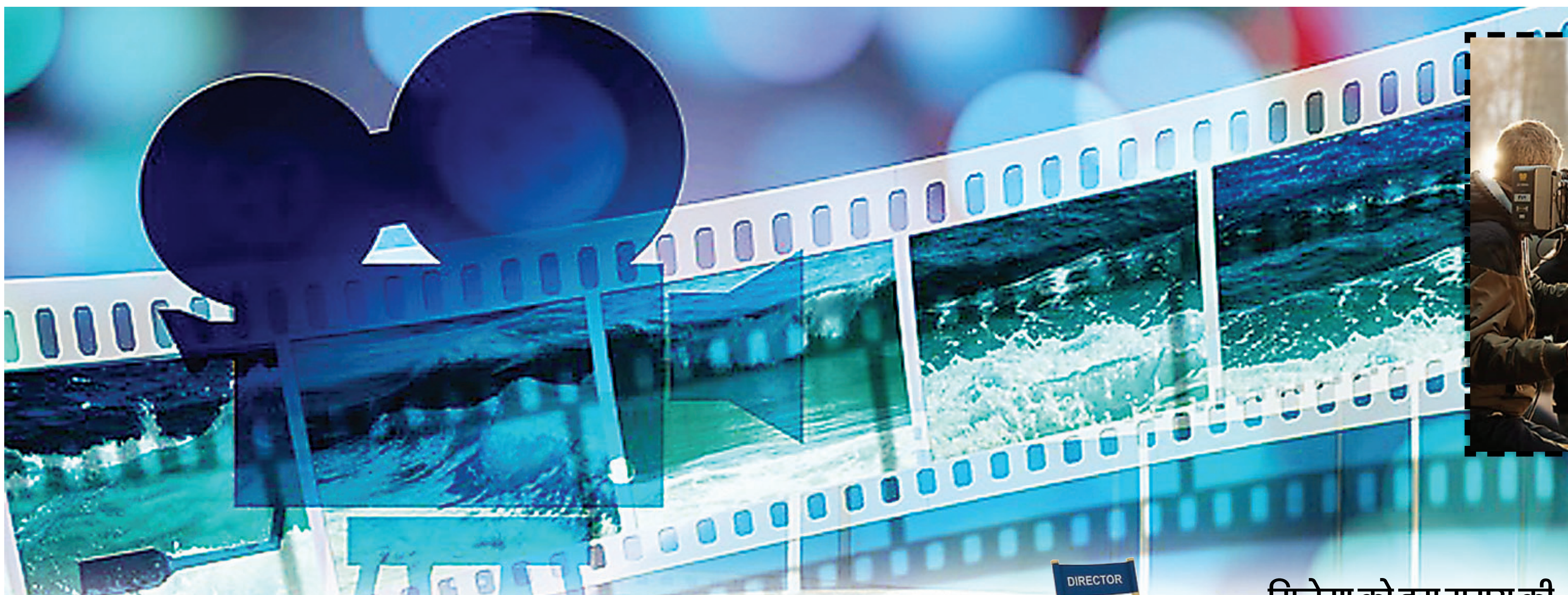

फिल्म मेकिंग में चमकता भविष्य

सिनेमा को इस समय की उत्कृष्ट कलाओं में शुमार किया जाता है। इसका प्रभाव क्षेत्र बहुत विशाल है। आज सिनेमा सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव के वाहक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। इसके पास लोगों को बदलने की जबरदस्त ताकत होती है।

फिल्म मेकिंग एक चित्र द्वारा कहानी कहने की कला है। फिल्म मेकिंग में अक्सर देखा जाता है बिना प्रशिक्षण के भी लोग बेहतर काम कर रहे हैं। टाइटैनिक जैसी महान फिल्म बनाने वाले जेम्स कैमरून कभी फिल्म स्कूल में नहीं गए। भारत में आजकल के फिल्म निर्देशकों में इम्तियाज अली ने फिल्म बनाने का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया, पेशे से वे एक फैशन डिजाइनर थे। मधुर भंडारकर वीडियो लाइब्रेरी चलाते थे। बोमन ईरानी ने अभिनय का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया। वह चेन्नई में एक फोटोग्राफर थे। 42 साल की उम्र में उन्होंने अपने फिल्मी कॅरियर की शुरुआत की
थी। फिल्म बनाना एक कला है। इसका प्रशिक्षण अगर आपके पास है तो आपका तकनीकी पक्ष बहुत मजबूत हो सकता है। लेकिन कहानी को मजेदार ढंग से सुनाना, यह आपको कोई नहीं सिखा सकता। कॅरियर के लिहाज से फिल्मी दुनिया में काफी संभावनाएं मौजूद हैं।

क्या है फिल्म मेकिंग

एक कैमरा होता है, जिससे फिल्म शूट होती हैं। फिल्म मेकिंग में क्रिरप्ट होती है, चरित्र होते हैं, एक कहानी होती है, हर कहानी की एक भाषा होती है, फिल्म का अपना देश-काल होता है, दृश्य होते हैं, ध्वनियों का दृश्यों के साथ मिलान होता है, स्पेशल इफेक्ट्स होते हैं और गीत-संगीत होता है। फिल्मों में क्रिएटिविटी और टेक्नोलॉजी का अनोखा मेल होता है। आज फिल्मों में नई-नई तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। आज की इंडस्ट्री में फिल्मों के कई प्रकार हैं, जैसे डिजिटल फिल्म, 3डी फिल्म आदि। हर एक फिल्म को रिलीज होने से पहले उसे परखा जाता है। इसके बाद दर्शक उसका फीडबैक देते हैं। फिल्मों के साथ एक खास बात होती है, संचार के विभिन्न माध्यमों की तरह फीडबैक हमेशा फिल्म की गुणवत्ता को तय नहीं करता है।

योग्यता

फिल्म मेकिंग में ज्यादातर पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स पढ़ाए जाते हैं। बैचलर स्तर पर भी कई संस्थान कोर्स कराते हैं। बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। वहीं, पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट की डिग्री होना जरूरी है। साउंड एडिटिंग और कुछ अन्य तकनीकी कोर्सों में दाखिले के लिए साइंस बैकग्राउंड से ग्रेजुएट होना चाहिए।

आय

इस क्षेत्र में अलग अलग काम के लिए अलग- अलग वेतन मिलता है। शुरुआती स्तर पर फिल्म से जुड़े किसी भी काम में वेतन 15 से 20 हजार रुपये होता है। इस क्षेत्र में एक बार अगर यदि आप स्थापित हो गए, तो फिर आय की कोई सीमा नहीं रहती।

उपलब्ध कोर्स

- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन सिनेमा
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डायरेक्शन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सिनेमेटोग्राफी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साउंड रिकार्डिंग एंड साउंड डिजाइन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडिटिंग
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट डायरेक्शन एंड प्रोडक्शन डिजाइन
- सर्टिफिकेट कोर्स इन स्क्रीनप्ले राइटिंग
- डिप्लोमा इन वीडियो प्रोडक्शन
- बैचलर ऑफ फिल्म टेक्नोलॉजी आदि

उपलब्ध संस्थान

- फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे
- सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, मुंबई
- एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा
- एसआरएम शिवाजी गणेशन फिल्म इंस्टीट्यूट, चेन्नई
- जी इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया आर्ट्स, मुंबई

यहां हैं अवसर

स्क्रीनप्ले

स्क्रीनप्ले आइडिया और कहानी के विकास के बाद का चरण है। इसके आधार पर फिल्म का फिल्मांकन किया जाता है। पटकथा लेखक/निर्देशक द्वारा कहानी की पटकथा तैयार की जाती है। दरअसल पटकथा एक नहीं, अनेक होती हैं जिसमें कैमरा पर्सन और अभिनेताओं समेत सभी जरूरी लोगों के लिए आवश्यकता के अनुरूप पटकथाएं तैयार की जाती हैं। बॉलीवुड में पटकथा लिखने के बजाए या फिर उस पर हू-ब-हू चलाने के बजाय वह लगातार बदलती रहती है। पटकथा की तैयारी के साथ-साथ डॉयलाग राइटर का आगमन होता है तथा निर्देशक की सलाह से दृश्यों का ध्वनि का मिलान करना तथा इससे जरूरी काट-छांट संभव हो पाता है। पटकथा में स्पेसिफिक्स यानी समय, लोकेशंस और सिचुएशन की सूचना अंग्रेजी में लिखी जाती है।

निर्देशन

फिल्मों में निर्देशन करना एक मल्टीटास्किंग काम है। फिल्म की पटकथा से लेकर संवादों की प्रस्तुति और कैमरे के संयोजन तक का काम एक निर्देशक को करना होता है। बॉलीवुड में पटकथा लेखन, संवाद लेखन और निर्देशन एक व्यक्ति द्वारा ही करने का चलन है। फिल्म निर्देशन में कॅरियर बनाने के लिए डिग्री के साथ फिल्मों की सभी विधा में कौशल हासिल करना होता है।

सिनेमेटोग्राफी

फिल्म के शॉट से जुड़ा हुआ काम सिनेमेटोग्राफी कहलाता है। सिनेमेटोग्राफी में मौलिक रूप से तीन शॉट और दो मूवमेंट होते हैं। शॉट क्लोज अप, मिड और लॉन्ग होता है, जबकि मूवमेंट पैन और टिल्ट। ये शॉट और मूवमेंट फिल्म का व्याकरण होते हैं। अर्थ को पैदा करने में इनकी गहरी भूमिका होती है। सिनेमेटोग्राफर का प्रोफेशनल कोर्स एफटीआईआई समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कराया जाता है। वहां से डिग्री लेकर आप अपने कॅरियर को एक नया मुकाम दे सकते हैं।

संगीत

संगीत में विभिन्न प्रकार के लोगों का संयोजन होता है। फिल्म संगीत में गीतकार, संगीतकार या संगीत निर्देशक, गायक, रिर्काडिस्ट (साउंड मैनेजर), साउंड एडिटर की मुख्य भूमिका होती है। इन सभी के बेहतर संयोजन से गाना बनता है। पहले संगीतकार या संगीत निर्देशक आर्केस्ट्रा के साथ गायक को रिकॉर्ड करते थे, लेकिन अब यह प्रक्रिया पूरी तरह बदल चुकी है। अब गायक रॉ सांग (कच्चा गाना) गा देते हैं, संगीत रिर्काडिस्ट, संगीतकार/ संगीत निर्देशक और साउंड एडिटर मिलकर गाने को कंपोज करते हैं। इस क्षेत्र में क्रिएटिव और मल्टीटैलेंटेड लोगों की काफी मांग है।

कोरियोग्राफी

कोरियोग्राफी का बॉलीवुड फिल्मों में विशेष महत्व है। पारंपरिक तौर विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय नृत्य में निपुण लोग फिल्मों के कोरियोग्राफर होते थे लेकिन फिल्मों में पाश्चात्य नृत्य कला, एरोबिक आदि के आने के बाद इसके स्वरूप में विस्तार हुआ है। आजकल विभिन्न प्रकार की नृत्य शैलियों का एक साथ संयोजन करने वाले कलाकार इसमें सफल हो रहे हैं। इस क्षेत्र में हमेशा कुछ नया करने की चुनौती बनी रहती है।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग मल्टीमीडिया से जुड़ा काम है । आजकल साइंस फिक्शन फिल्मों, कार्टून फिल्में का चलन बढ़ा है। इसने वीडियो एडिटिंग में ग्रफिक डिजाइनिंग, कार्टूनिस्ट, आर्ट डायरेक्शन जैसे पहलुओं को जोड़ने का काम किया है। अब तो बिना कास्ट के कार्टून के सहारे फिल्मों को बनाने का भी प्रचलन बढ़ा है। इस क्षेत्र में भी मल्टीटैलेंटेड और क्रिएटिव लोगों की काफी मांग है। मल्टीमीडिया और वीडियो एडिटिंग में प्रशिक्षण लेकर आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं।

बैकग्राउंड साउंड

बैकग्राउंड साउंड और डबिंग बैकग्राउंड स्कोर के ही हिस्से हैं। फिल्मों के प्रोमो में कई बार बैकग्राउंड स्कोर दिखता है। यह विशुद्ध रूप से फिल्म एडिटिंग का हिस्सा होता है। पार्श्व ध्वनियों, संवादों और विभिन्न प्रकार के ध्वनि प्रभावों को जोड़ने का काम डबिंग कहलाता है। संवादों को डब अभिनेता अभिनेत्री या वॉइस ओवर आर्टिस्ट से कराया जाता है। डबिंग और बैकग्राउंड स्कोर के बाद फिल्म का जो प्रिंट तैयार होता है, उसे मैरिड प्रिंट कहा जाता है। फिल्मों में बैंकग्राउंड स्कोरर, डबिंग या वॉइस ओवर आर्टिस्ट के रूप में आप रोजगार पा सकते हैं।

वितरण और प्रमोशन

भारत में फिल्में बिना देखे ही बिकती हैं। ऐसा दुनिया भर की किसी इंडस्ट्री में नहीं होता है। फिल्मों की बिक्री सिनोप्सिस और कास्टिंग के आधार पर होती है । फिल्म फाइनेंसर (प्रोड्यूसर) और वितरक इन उपरोक्त बातों पर विचार करने के बाद तय करते हैं कि फिल्म में कितने गीत दृश्य होंगे। इन दोनों की भूमिका कई बार निर्देशक की परिकल्पना को भी प्रभावित करने लगती है। अभिनेताओं के चयन में हेर-फेर भी इनके चलते कई बार करना पड़ता है। फिल्मों के निर्माण के बाद दूसरा बड़ा खर्च इनके प्रमोशन पर होता है। फिल्मों का प्रमोशन एक प्रकार से फिल्मों का विज्ञापन होता है। प्रमोशन के लिए विज्ञापित होने वाले विज्ञापन को फिल्म का प्रोमो कहा जाता है। वितरण और प्रमोशन के काम के लिए बहुत पैसों का जरूरत होती है। साथ ही इस काम में रिस्क भी बहुत होता है। यह एक तरह व्यवसाय है। अगर आपको फिल्मों के अर्थशास्त्र की बेहतर समझ है तो फिल्म स्ट्रेटजिस्ट, काउंसलर, एनालिस्ट के रूप में कॅरियर बना सकते हैं।

फिल्म समीक्षा

समीक्षा में सबसे पहले फिल्म की कहानी को संक्षेप मे बताया जाता है। इससे दर्शक की फिल्म संबंधी मूल जिज्ञासा शांत होती है। यह कुछ उसी तरह है, जैसे आप किसी अजनबी से पहली बार मिलने पर नाम पूछने के बाद ही उसे बात शुरू करते हैं। फिल्मों को बनाने में तकनीक और कल्पना का योग रहता है। फिल्म समीक्षा में फिल्म की निर्माण संबंधी जानकारी दी जाती है। फिल्म समीक्षक के रूप में आपको प्रोडक्शन कंपनी, मीडिया संस्थानों में नौकरी मिल सकती है।

अगर आप भी तकनीकी जगत में काफी सोशल हों और सोशल मीडिया के प्रति आपका लगाव जबरदस्त हो तो आप इस क्षेत्र में कॅरियर संवार सकते हैं। कंपनियां आज 'सोशल मीडिया स्पेशलिस्ट' हायर कर रही हैं, जो सोशल साइट पर प्रोडक्ट की लॉन्चिंग, कंज्यूमर के साथ कम्यूनिकेट और रिसर्च जैसा काम कर सके।

सोशल मीडिया के जुनून को बनाएं अपना भविष्य

आज विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 50 प्रतिशत लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, जिनमें से अधिकांश प्रतिदिन अपना कीमती वक्त सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बिताते हैं।

लिंक्डइन है विकल्प

लिंक्डइन पर मौजूद 50 लाख से ज्यादा यूजर ने अपने प्रोफाइल में खुद को सोशल मीडिया का एक्सपर्ट बताया है, जबकि 2010 से अब तक सोशल मीडिया से जुड़े जॉब में जबरदस्त वृद्धि हुई है। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि इस दिशा में कॅरियर और जॉब्स की कितनी संभावनाएं हैं।

कौन होता है सोशल मीडिया मैनेजर

एक सोशल मीडिया मैनेजर टू वे कम्युनिकेशन का काम करता है। वह इसके लिए सही चैनल तलाशता है, फिर अपने प्रोडक्ट को अर्थपूर्ण योजना के साथ लोगों के सामने पेश करता है। सोशल मीडिया मैनेजर न्यू मीडिया के तहत आता है। यह वेब जर्नलिज्म से ही जुड़ा है। सोशल मीडिया मैनेजर का काम कम शब्दों में प्रभावी ढंग से किसी ब्रांड को प्रस्तुत कर इंटरनेट यूजर को ब्रांड वैल्यू के प्रति आकर्षित करना है। बात इतने पर ही खत्म नहीं हो जाती। सोशल मीडिया मैनेजर ब्रांड के क्राइसिस सॉल्यूशन को भी बेहतर ढंग से सुलझाने में मददगार है यानी सोशल मीडिया मैनेजर का काम कस्टमर एवं क्लाइंट के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है।

सोशल मीडिया स्ट्रेटेजिस्ट

इसका काम सोशल मीडिया के उस प्रोग्राम का इस्तेमाल करना है, जिसके माध्यम से मार्केटिंग कैंपेन को ज्यादा प्रभावी बनाया जा सके। इसका काम वेबसाइट ट्रैफिक को भी मॉनीटर करना होता है ताकि वह सोशल मीडिया कैंपेन की सफलता को देख सके। इसके अलावा कंपनी का सोशल मीडिया अकाउंट भी इसी को हैंडिल करना होता है।

सोशल मीडिया सेल्स रिप्रेजेंटेटिव

इसका काम तमाम क्लाइंट्स को इस बात के लिए तैयार करना कि वो अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन और विज्ञापन सोशल मीडिया के माध्यम से करें। इसका अर्थ ये हुआ कि सोशल मीडिया मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़ी कंपनियों में इनकी आवश्यकता होती है। यही उनके लिए रेवेन्यू लाने का काम करते हैं। इनको अपने क्लाइंट्स को इस बात के लिए भी राजी करना होता है कि सोशल मीडिया पर मार्केटिंग और विज्ञापन करने से उनकी बिक्री में कितना असर पड़ा या कितने लोगों ने उनके ब्रांड को सोशल मीडिया के प्रमोशन से पहचाना है।

बनें तकनीक फ्रेंड्ली

देश-दुनिया में अभी सोशल मीडिया के क्षेत्र में तीन तरह की नौकरियां मिलती हैं। इन तीनों ही तरह की नौकरियों के लिए आपमें अलग तरह की योग्यता और खास क्षमताएं होनी जरूरी हैं। खासतौर पर आप फेसबुक और ट्विटर जैसी साइट पर अच्छे से काम कर सकते हों ताकि जिस कंपनी के लिए काम करने जाएं वहां की ब्रॉन्ड प्रमोशन, प्रोडक्ट लांच आदि काम को अच्छे से कर सकें। चूंकि यह क्षेत्र काफी नया है, इसलिए इससे संबंधित पढ़ाई बहुत कम संस्थान ही करा रहे हैं। आइए जानते हैं किस पोस्ट के हिसाब से क्या शैक्षिक योग्यता जरूरी है।

कोर्स भी चला रहे संस्थान

सोशल मीडिया के क्षेत्र में नौकरियों की बढ़ती मांग को देखते हुए बहुत से संस्थानों ने इसके लिए बाकायदा अलग से कोर्स भी शुरू किए हैं। हाल में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वैट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर इंडिया का पहला सोशल मीडिया कोर्स शुरू किया है। किसी भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर किसी ब्रांड की प्रस्तुति सोशल मीडिया यूजर के दिमाग पर पॉजिटिव एवं नेगेटिव, दोनों ही प्रभाव छोड़ सकती है। ऐसे में किसी ब्रांड के पॉजिटिव प्रभाव के लिए सही प्रस्तुति अहम होती है, जिसे सही तरीके से उस साइट पर एक निपुण व अनुभवी सोशल मीडिया मैनेजर ही प्रस्तुत कर सकता है।

आईआईएम और आईएसबी भी हैं

मार्केट में सोशल मीडिया स्पेशलिस्ट की बढ़ती डिमांड को देखते हुए ही आईआईएम और आईएसबी जैसे बिजनेस स्कूल सोशल मीडिया पर कोर्स तैयार कर रही है। वहीं एनआईआईटी एम्पेरिया ने सोशल मीडिया मार्केटिंग पर एडवांस्ड प्रोग्राम की शुरुआत की है।

आपको तलाशता है ब्रांड

फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नाम हर किसी के जेहन में रहता है। इसके अलावा लिंक्डइन को व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर माना जाता है। आप इनमें से किसी भी साइट पर जाएंगे तो अधिकांश ब्रांड दिख जाएंगे। सोशल साइट्स पर कंपनियां एवं ब्रांड्स इन ब्रांड्स का प्रभावी एवं औपचारिक तरीकों से जिस तरह प्रमोशन कर रही हैं, उनके पीछे सोशल मीडिया मैनेजर का ही सबसे अहम रोल होता है।

कहां-कहां नौकरी के लिए हैं मौके

सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से इसके विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ रही है। कई ऐसे नए कॅरियर विकसित हो गए हैं, जिनसे बड़े स्तर पर लोग अभी भी अनजान हैं। सोशल मीडिया में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के लिए गूगल, फेसबुक, लिंक्डइन व ट्विटर के अलावा विभिन्न मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों और आईटी क्षेत्र में काम करने के अच्छे मौके हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी एसो के निदेशक ने कहा-ट्रूडो की हरकतों ने दुनिया भर में सिखों को मुसीबत में डाला

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तरी अमेरिकी पंजाबी एसोसिएशन (एनएपीए) के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल का कहना है कि भारत और कनाडा के बीच चल रही कूटनीतिक दरार उत्तरी अमेरिका और उसके बाहर सिख समुदाय के भीतर बढ़ती चिंता का कारण बन रही है। सिख प्रवासी समुदाय में एक प्रमुख आवाज चहल ने चेतावनी दी है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के न केवल कनाडा में बल्कि दुनिया भर में सिखों के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। चहल ने एक साक्षात्कार में कहा, भारत और कनाडा के बीच बढ़ते संघर्ष को रचनात्मक बातचीत के माध्यम से सुलझाने की आवश्यकता है ताकि दुनिया भर में सिख समुदाय के अधिकारों और कल्याण की रक्षा की जा सके। भारतीय प्रवासियों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध संगठन एनएपीए के नेता के रूप में, चहल विशेष रूप से कनाडा के सर्रे में खालिस्तान कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भड़के तनाव से परेशान हैं। निज्जर की हत्या और उसके बाद के कूटनीतिक नतीजों ने सिखों के सामने पहचान, सुरक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में पश्चिमी देशों में रहने वालेआने वाली जटिल चुनौतियों को उजागर किया है। 1997 से संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे चहल ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि यह स्थिति सिख प्रवासियों को कैसे प्रभावित कर रही है। उन्होंने बताया, विश्व स्तर पर, सिखों की अपने समुदायों के लिए परोपकार और सेवा के लिए लंबे समय से प्रतिष्ठा है, लेकिन शत्रुता के मौजूदा माहौल ने हमारे अपने गुरुद्वारों के भीतर भी विभाजन पैदा कर दिया है।

विश्व के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के 8वें राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने ली शपथ

जकार्ता, एजेंसी। प्रबोवो सुबियांतो ने विश्व के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति के रूप में रविवार को शपथ ली। पूर्व रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो (73) ने देश के सांसदों और अन्य देशों से आमंत्रित किए गए गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष मुस्लिमों के पवित्र धर्म ग्रंथ 'कुरान पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके बाद सड़कों पर मौजूद हजारों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित हुए शपथ ग्रहण समारोह में 40 से अधिक देशों के नेता और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, सऊदी अरब, रूस, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सम्मिलित हैं। सुबियांतो लंबे समय से बेहद लोकप्रिय राष्ट्रपति जोको विडोडो के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं और उन्होंने इससे पहले दो बार 2014 और 2019 में उनके खिलाफ राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही मौकों पर जोको विडोडो ने अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, विडोडो ने पुन- राष्ट्रपति बनने के बाद सुबियांतो को रक्षा प्रमुख नियुक्त किया था। सुबियांतो के साथ-साथ देश के नए उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका (37) ने भी शपथ ली। वह सुरकार्ता के मेयर रह चुके हैं। सुबियांतो ने विडोडो के बेटे को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में संदिग्ध आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी की हत्या की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने आतंकवाद निरोधक विभाग के एक अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उप निरीक्षक शेर अली की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह बन्नू जिले में एक मस्जिद से नमाज अदा करके बाहर निकल रहे थे। हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया।

नेपाल की धरती पर चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी : प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह 'एक चीन' नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में उनके आधिकारिक आवास पर हुई। 'एक चीन' नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए एक चीन नीति का पालन करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान ओली ने नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा भी व्यक्त की।

अमेरिका का पेनसिल्वेनिया राज्य तय करेगा, कौन बनेगा राष्ट्रपति ! पानी की तरह पैसे बहा रहे ट्रंप और कमला

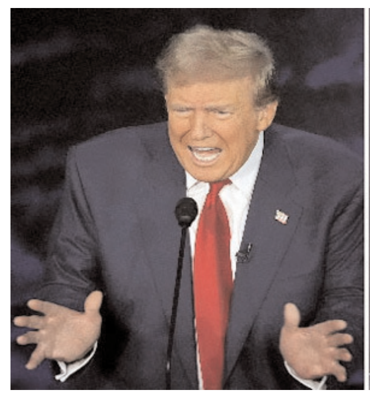

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं और दोनों ही उम्मीदवारों, डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर होने का अनुमान है, लिहाजा कौन राष्ट्रपति बनेगा, ये अब स्विंग स्टेट पर निर्भर हो गया है। अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाला राज्य पेंसिल्वेनिया 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए ग्राउंड जीरो बनकर उभरा है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना है, कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के बीच राज्य में कड़ी टक्कर होने वाली है। राष्ट्रपति पद की दौड़ जीतने के लिए 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की जरूरत होती है और अमेरिका के 50 राज्यों में से प्रत्येक में इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या अलग-अलग है। पेंसिल्वेनिया में 19 जबकि डेमोक्रेटिक गढ़ कैलिफोर्निया में 54 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, उसके बाद टेक्सास, जो रिपब्लिकन का गढ़ है, वहां 40 इलेक्टोरल कॉलेज हैं। आपको बता दें, कि 5 नवंबर को जो वोटिंग होने वाली है, उसमें जो उम्मीदवार जीतेगा, उसे विजेता नहीं माना जाएगा, बल्कि जो उम्मीदवार इलेक्टोरल कॉलेज में 270 से ज्यादा वोट लेकर आएगा, उसे विजयी माना जाएगा। लिहाजा आप कह सकते हैं, कि पॉपुलर वोट का कोई मतलब नहीं होता है।

अमेरिका में सात स्विंग स्टेट : प्रत्येक राज्य में राजनीतिक समर्थन को देखते हुए, विशेषज्ञों ने पिछले मतदान पैटर्न के आधार पर किसी उम्मीदवार को मिलने वाले इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या का पहले ही पता लगा लिया है, सिवाय सात बैटलग्राउंड राज्यों के। ये सात राज्य हैं नेवादा, जिसके पास 6 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, एरिजोना (11), विस्कॉन्सिन (10), मिशिगन (15), पेंसिल्वेनिया (19), जॉर्जिया (16) और नॉर्थ कैरोलिना (16)। तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल के साथ, दोनों उम्मीदवार अब पेनसिल्वेनिया को जीतना जरूरी मानते हैं। कमला हैरिस और ट्रंप, दोनों के चुनाव अभियानों के हजारों स्वयंसेवक मतदाताओं को अपने नेताओं के लिए वोट देने के लिए मनाने के लिए इस युद्ध के मैदान वाले राज्य में पहुंचे हैं। हिल के डिसीजन डेस्क मुख्यालय ने हाल ही में एक पूर्वानुमान और मतदान औसत के विश्लेषण में बताया है, कि हमें नहीं लगता कि कोई भी उम्मीदवार पेनसिल्वेनिया जीते बिना 270 इलेक्टोरल वोट तक पहुंच पाएगा। प्रतिष्ठित वेबसाइट ने कमला हैरिस को 226 इलेक्टोरल कॉलेज वोट और ट्रंप को 219 वोट दिए हैं। एनबीसी न्यूज इलेक्शन डेस्क के मुताबिक, पेंसिल्वेनिया 2024 के चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण युद्ध के मैदान वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। दोनों उम्मीदवारों ने झोंकी ताकत द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में पेंसिल्वेनिया में एक प्रतिशत से भी कम अंतर से जीत हासिल की थी और 2020 में लगभग एक प्रतिशत से हार गए थे। कमला हैरिस वहां प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं, लिहाजा राज्य को टॉस-अप के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यही कारण है कि हैरिस और ट्रंप, दोनों किसी भी अन्य स्थान की तुलना में पेंसिल्वेनिया में ज्यादा धन, समय और ऊर्जा डाल रहे हैं, और पूरे राज्य में विज्ञापन युद्ध छेड़ रहे हैं। द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, कि 2024 में व्हाइट हाउस की दौड़ में सात मुख्य युद्धक्षेत्र हो सकते हैं, जिनमें से सभी निर्णायक साबित हो सकते हैं। लेकिन पेंसिल्वेनिया एक ऐसा राज्य है, जिसे कमला हैरिस और ट्रंप दोनों के शीर्ष रणनीतिकारों ने चुनाव में सबसे ज्यादा बढ़त के लिए चुना है। डेली के अनुसार, ट्रंप या खास तौर पर कमला हैरिस के लिए, इसके बिना जीत के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोट तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण है। जानकार सूत्रों ने पीटीआई को बताया है, कि डेमोक्रेटिक नेशनल फाइनेंस कमेटी ने हाल ही में फिलाडेल्फिया में अपने फॉल रिट्रीट प्रोग्राम के दौरान इसी निष्कर्ष पर पहुंची कि पेंसिल्वेनिया जीते बिना कमला हैरिस के जीतने का कोई रास्ता नहीं है। वहीं, ट्रंप अभियान भी यही मानता है। कमला हैरिस, ट्रंप का जोरदार अभियान डेमोक्रेट्स ब्लू वॉल जीतने पर भरोसा कर रहे हैं, जिसमें मिशिगन, विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया शामिल हैं, जबकि ट्रंपप अभियान, तीनों राज्यों में कमला हैरिस को कड़ी टक्कर दे रहा है। ट्रंप ने 2016 में तीनों राज्य जीते थे। पीबीएस न्यूज ने बताया है, कि कमला हैरिस और ट्रंप, दोनों अभियान राज्य के 19 इलेक्टोरल वोटों को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए आवश्यक 270 तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि वहां का मुकाबला, कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) पर नियंत्रण भी निर्धारित कर सकती हैं। एनबीसी न्यूज के अनुसार, दोनों अभियानों ने हाल के महीनों में राज्य को कवर किया है।

अमेरिकी चुनाव- मैकडॉनल्ड्स में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने बनाए फ्राइज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिलाडेल्फिया के मैकडॉनल्ड्स फ्रैंचाइज में लोगों को सर्व करते दिखे. वहीं, उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अटलांटा में समर्थन जुटाने के लिए पूजा-अर्चना में भाग लिया. शर्ट और टाई के ऊपर एप्रन पहने ट्रंप ने फ्राइज बनाए और मैकडॉनल्ड्स के कर्मचारियों से बातचीत की. ट्रंप ने कहा कि वास्तव में, इसे सही तरीके से और तेजी से करने के लिए बहुत विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है. उन्होंने कहा कि मुझे यह काम पसंद है. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का मैकडॉनल्ड्स का दौरा हैरिस के कॉलेज के दिनों में फास्ट-फूड चेन में काम करने के बयान के जवाब में हुआ. दूसरी ओर, हैरिस ने अटलांटा में अपने 60वें जन्मदिन पर दो पूजा-अर्चना में भाग लिया. जॉर्जिया के जोन्सबोरो में डिवाइन फेथ मिनिस्ट्रीज़ इंटरनेशनल की अपनी यात्रा के दौरान, प्रसिद्ध संगीतकार स्टीवी वंडर ने अपना हिट हायर ग्राउंड और बॉब मार्ले के रिडेम्पशन सॉन्ग का एक संस्करण गाकर पेश किया. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार कि उन्होंने हैरिस के लिए हैप्पी बर्थडे भी गाया. जॉर्जिया में जनता को संबोधित करते हुए हैरिस ने कहा कि इस समय हमारे देश में, हम जो देख रहे हैं वह यह है कि कुछ लोग हमारे बीच विभाजन को गहरा करने, नफरत फैलाने, डर फैलाने और अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस समय, हमारा देश एक चौराहे पर है और हमें कहां जाना है यह हम पर निर्भर करता है. इससे पहले मिशिगन में हैरिस के अभियान के दौरान गायिका और रैपर लिजो ने डेमोक्रेट को अपना समर्थन दिखाया।

मिस्र बना मलेरिया मुक्त, डब्ल्यूएचओ ने की घोषणा

जिनेवा/काहिरा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को मिस्र को मलेरिया मुक्त देश घोषित कर दिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला वह दुनिया का 44वां देश है। डब्ल्यूएचओ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 10 करोड़ की आबादी वाले मिस्र की सरकार की करीब 100 साल की कोशिश के बाद उसने यह उपलब्धि हासिल की है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. तेद्रोस ए. गेब्रेयेसस ने एक बयान में कहा, मलेरिया रोग उतना ही पुराना है, जितनी मिस्र की सभ्यता। फराओ को मात देने वाली यह बीमारी अब उसके इतिहास की बात बन चुकी है, न कि भविष्य की। उन्होंने कहा कि मिस्र की यह उपलब्धि वाकई ऐतिहासिक है और वहां के लोगों तथा सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साल 2010 के बाद पूर्वी मेडिटेरेनियन क्षेत्र में पहली बार किसी देश को मलेरिया मुक्त घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात और मोरक्को के बाद सफलतापूर्वक मलेरिया उन्मूलन करने वाला यह तीसरा देश है। मिस्र के उप-प्रधानमंत्री डॉ. खालिद अब्दुल गफ्फार ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन का यह प्रमाणन एक नए चरण की शुरुआत है। अब इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ किसी देश को मलेरिया मुक्त होने का प्रमाणन तब देता है।

उत्तरी गाजा में इजरायली एयर स्ट्राइक, 73 की मौत, 100 से ज्यादा घायल

येरूशलम, एजेंसी। उत्तरी गाजा के एक शहर बेत लाहिया पर इजरायली हमले में शनिवार शाम को कम से कम 73 फिलिस्तीनी मारे गए, यह जानकारी एन्क्लेव के सरकारी मीडिया कार्यालय ने दी। हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए और कई लोग लापता हैं। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी के डॉक्टर्स ने बताया कि इजरायली एयर स्ट्राइक ने एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाया और आस-पास के कई घरों को नुकसान पहुंचाया। सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने बेत लाहिया में भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों पर बमबारी की, साथ ही कहा कि हताहतों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

मीडिया कार्यालय ने कहा, यह नरसंहार और जातीय सफाए का युद्ध है। मिडिल ईस्ट आई ने अल जजीरा की रिपोर्ट के हवाले से जानकारी दी कि इस हमले ने शहर के पूरे पश्चिमी हिस्से को हिलाकर रख दिया और लोग जब अंदर थे, तब इमारतें ढह गईं। निवासियों को अपने घर छोड़ने की कोई चेतावनी नहीं दी गई। कई लोग मलबे के नीचे फंस गए, पैरामेडिक्स और नागरिक सुरक्षा दल इजरायली बमबारी की तीव्रता के कारण तुरंत उस क्षेत्र में नहीं पहुंच पाए।

बेत लाहिया में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक होसम अबू साफिया ने कहा कि हमले में घायल हुए कई लोग संसाधनों, चिकित्सा आपूर्ति और विशेष कर्मियों की भारी कमी के कारण नहीं बच पाए। उन्होंने कहा कि मलबे के नीचे दर्जनों लोग लापता हैं और संसाधनों की कमी और चल रहे हमलों के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।

वहीं इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने एक बयान में कहा है कि हमास द्वारा नियंत्रित मीडिया गाजा में हताहतों के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है। द

टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक आईडीएफ ने कहा कि यह दावे इस्तेमाल किए जा रहे सटीक हथियारों और हमास आतंकवादी समूह से संबंधित आतंकवादी लक्ष्य पर हमले की सटीकता से मेल नहीं खाते। आईडीएफ ने कहा कि वह घटना की जांच कर रहे हैं। उसने इस बात पर जोर दिया कि यह एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ और वह निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचाने से बचने की पूरी कोशिश कर रहा है।

इससे पहले शनिवार को इजरायली सेना ने इंडोनेशियाई अस्पताल को घेर लिया और उस पर बमबारी की, जो बेत लाहिया में ही स्थित है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायली सेना ने ऊपरी मंजिलों को निशाना बनाया, जहां 40 से अधिक मरीज और चिकित्सा कर्मचारी मौजूद थे। इंडोनेशियाई अस्पताल के निदेशक मारवान सुल्तान ने कहा, इजरायली टैंकों ने अस्पताल को पूरी तरह से घेर लिया, बिजली काट दी और अस्पताल पर बमबारी की, तोपखाने से दूसरी और तीसरी मंजिलों को निशाना बनाया। शनिवार का हमला ऐसे समय में हुआ जब उत्तरी गाजा में जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली घेराबंदी का 15वां दिन था।

बांग्लादेश में चुनावी सुगबुगाहट के बीच बीएनपी ने की अंतरिम सरकार की आलोचना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव को लेकर हलचल है. इस बीच राजनीतिक दलों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं कि देश में चुनाव कब होंगे. इस बीच बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने चुनाव आयोग के पुनर्गठन को लेकर समिति गठित करने की बात कही है. बांग्लादेश की सरकारी मीडिया संगबाद के अनुसार मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने आम चुनाव को लेकर आयोग के पुनर्गठन पर जोर दिया है. उन्होंने इसके लिए एक समिति गठित करने की बात कही है. उन्होंने इस दौरान कहा कि समिति में छह सदस्य होंगे. बाद में मुख्य सलाहकार के निजी सहायक महफूज आलम ने चुनाव को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाने की बात कही. इस बीच बांग्लादेश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (ब्नह्क) के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव ने चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं करने के लिए अंतरिम सरकार की आलोचना की. वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि सरकार चुनाव की तारीख

की घोषणा न करके देश को गतिरोध की ओर ले जा रही है. ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार रिजवी ने अंतरिम सरकार की इस बात के लिए आलोचना की कि वह सुधारों के पूरा होने की निश्चित तिथि के बिना ही उनके बारे में बात कर रही है. पबना के बेरा उपजिला में एक रैली को संबोधित करते हुए रिजवी ने कहा, आप अंतरिम सरकार के तहत सुधारों की बात कर रहे हैं, लेकिन आप में से प्रत्येक चुनाव कब होंगे, इस बारे में अलग-अलग बयान दे रहे हैं. आप इस बारे में कोई निश्चित तारीख नहीं दे रहे हैं कि आपके सुधार कब पूरे होंगे. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार उन्होंने आगे कहा कि लोगों के मन में आपके बारे में सवाल होंगे. हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप आवश्यक सुधार करें और तुरंत चुनाव कराएं. शनिवार को अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने कहा कि बांग्लादेश का अगला आम चुनाव 2025 में होने की संभावना है. अंतरिम सरकार के सलाहकार डॉ. आसिफ नजरुल ने एक बयान में कहा कि अगले साल के भीतर चुनाव संभव हो सकते हैं, लेकिन इसमें कई कारक शामिल हैं. कहा जाता है कि सुधार और राजनीतिक समझौते चुनावों की ओर ले जाते हैं. अन्य कारक हैं खोज समिति और चुनाव आयोग का गठन, मतदाता सूची तैयार करना आदि. अगर ये कारक पूरे हो जाते हैं, तो अगले साल चुनाव हो सकते हैं. उन्होंने कहा, यह मेरा भी शुरुआती अनुमान है. बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति अस्थिर है, क्योंकि शेख हसीना ने बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर इस साल 5 अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग करने वाले छात्रों द्वारा किए गए।

इजरायल को बड़ा झटका, उत्तरी गाजा में टैंक से निकलते ही सेना ब्रिगेड कमांडर दक्सा की मौत

येरूशलम, एजेंसी। उत्तरी गाजा के जबालिया में अभियान चला रही इजरायली सेना को बड़ा झटका लगा है। रविवार को एक विस्फोट में सेना के एक ब्रिगेड कमांडर की उस समय मौत हो गई जब वह टैंक से उतरकर क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे । चार महीने पहले ही वह ब्रिगेड कमांडर बने थे। उत्तरी गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान रविवार 20 अक्टूबर को विस्फोट में ब्रिगेड कमांडर की जान चली गई । इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 401वीं ब्रिगेड के कमांडर कर्नल अहसान दक्सा जबालिया क्षेत्र में मारे गए हैं।

दक्सा अपने टैंक से निकलने के बाद वह एक विस्फोटक की चपेट में आ गए। वह साल भर से चल रहे गाजा युद्ध में मारे गए इजरायली सेना के सबसे वरिष्ठ कमांडरों में से एक थे।कर्नल दक्सा को 2006 में लेबनान के हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध में घायल सैनिकों को बचाने के लिए सम्मानित किया गया था। इजरायली सेना एक बार फिर हिजबुल्लाह के खिलाफ जंग में है। इजरायल के राष्ट्रपति ने दक्सा को एक नायक बताया। दक्सा की मौत के साथ ही 27 अक्टूबर 2023 को गाजा में जमीनी हमला शुरू करने के बाद से इजरायल के मारे गए सैन्यकर्मियों की संख्या 358 हो गई है। 41 साल के दक्सा इजरायल के द्रूज समुदाय के सदस्य थे और उन्हें चार महीने पहले ब्रिगेड

कमांडर नियुक्त किया गया था। उनकी ब्रिगेड जबालिया में एक अभियान का नेतृत्व कर रही थी। हगारी ने कहा कि घटना में एक अन्य बटालियन कमांडर और दो अधिकारी घायल हुए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री ने बयान जारी कर कहा कि दक्सा हमास आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए। उन्होंने कहा, वे क्षेत्र का निरीक्षण करने बाहर निकले और विस्फोटक से घायल हो गए। इजरायली सेना ने 6 अक्टूबर को जबालिया और उत्तरी गाजा के अन्य हिस्सों में जमीनी और हवाई हमला शुरू किया था। सेना का कहना है कि उसका उसका उद्येश्य हमास के आतंकवादियों को फिर से संगठित होने से रोकना है। हमास द्वारा संचालित क्षेत्र की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि दो सप्ताह से जारी हमले में 400 से अधिक लोग मारे गए हैं।

कनाडा की राजनीति में फिर पंजाबियों की बल्ले-बल्ले ! ब्रिटिश कोलंबिया चुनावों में 10 पंजाबी जीते और 1 आगे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की राजनीतिक में एक बार फिर पंजाबी सफलता के झंडे गाढ़ रहे हैं। एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, हाल ही में ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रांतीय चुनावों में 10 पंजाबी मूल के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है और एक आगे चल रहा है, जिससे कनाडाई राजनीति में समुदाय का प्रभाव और मजबूत हुआ है। यह जीत ऐसे समय में मिली है जब इंडो-कैनेडियन आबादी, विशेष रूप से पंजाबी समुदाय प्रमुखता से लगातार बढ़ रहा है, खासकर ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में। कांटे की टक्कर में एनडीपी और कंजर्वेटिव ने क्रमशः 46-45 सीटें जीती हैं, जबकि ग्रीन पार्टी 93 सीटों वाले बीसी हाउस में दो सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही। ये सफल उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक पृष्ठभूमि से हैं, जो न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे स्वास्थ्य सेवा सुधार, आर्थिक विकास, जलवायु कार्रवाई और अप्रवासी समुदायों के लिए अधिक समर्थन जैसे मुद्दों की वकालत करते हुए विविध मंचों पर चुनाव लड़े।

इस चुनावी जीत को कनाडा की राजनीति में दक्षिण एशियाई, विशेष रूप से पंजाबियों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम के रूप में देखा जाता है, जो एक ऐसे समुदाय को और सशक्त बनाता है जो कनाडा के सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का अभिन्न अंग रहा है।प्रमुख विजेताओं में मौजूदा आवास मंत्री रवि कहलोन भी शामिल थे, जिन्होंने डेल्टा नॉर्थ सीट को महत्वपूर्ण अंतर से बरकरार रखा। बीसी के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति कहलोन आवास और जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। एक अन्य उल्लेखनीय

विजेता ब्रिटिश कोलंबिया की विधान सभा के निवर्तमान अध्यक्ष राज चौहान हैं। उन्होंने रिकॉर्ड छठी बार जीत हासिल की है और इससे पहले 2013 से 2017 तक विधान सभा के सहायक उपाध्यक्ष और 2017 से 2020 तक उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। विपक्ष में रहते हुए, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, मानवाधिकार, आव्रजन और बहुसंस्कृतिवाद और श्रम के आलोचक के रूप में कार्य किया। वे पहली बार 2005 में विधायक चुने गए और फिर 2009, 2013, 2017, 2020 और 2024 में फिर से चुने गए। व्यापार राज्य मंत्री जगरूप बरार ने सर्रे फ्लीटवुड से सातवीं बार जीत हासिल की है। वे 2013 में सिर्फ़ एक बार हारे थे और उन्होंने जितने भी चुनाव लड़े, सभी जीते। बरार का जन्म बठिंडा में हुआ था और वे भारतीय पुरुषों की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा थे।

दो नहीं तीन साल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन बन सकते हैं जय शाह

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने अपने चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल दो साल के बजाय तीन साल करने की सिफारिश की है। आईसीसी के सदस्य देश अगर इन सिफारिश को मंजूर कर लेते हैं तो इसका मतलब होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह तीन साल के लिए विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था के चेयरमैन बनेंगे। शाह इस साल एक दिसंबर को आईसीसी के सर्वोच्च पद का कार्यभार संभालेंगे। आईसीसी बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद वह अपने दूसरे कार्यकाल में अगले तीन साल के लिए भी इस पद पर आसीन हो सकते हैं। शाह के पहले कार्यकाल का बड़ा हिस्सा बीसीसीआई में उनके अगले साल सितंबर में शुरू होने वाले तीन साल के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' के साथ चलेगा। आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए भी कुछ फैसले किए गए। वैश्विक संस्था ने महिला एसोसिएट सदस्य टी20 प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला को भी मंजूरी दी।

आईसीसी ने बयान में कहा,''हमारी योजना 2025 और 2028 के बीच दो वार्षिक टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत करना है जिससे कि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाई जा सके।'' आईसीसी बोर्ड ने 2025 से लेकर 2029 तक महिलाओं के भविष्य के दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) को भी मंजूरी दी जिसे जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार,''आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) ने इसे भी मंजूरी दे दी है कि महिलाओं की रैंकिंग का वार्षिक अपडेट अब प्रत्येक वर्ष एक अक्टूबर से एक मई तक चलेगा और टीमों को अब कम से कम आठ मैच खेलने होंगे जो महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी के हटने पर बोले हरमनप्रीत, हमारा लक्ष्य इस बार स्वर्ण पदक जीतना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी को हटाये जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना उनकी टीम का लक्ष्य था। भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है।

लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। जर्मनी के खिलाफ यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले टेस्ट मैचों से पहले प्रेस कांफ्रेंस में हरमनप्रीत से जब इस फैसले पर प्रतिक्रिया के लिए पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे अभी पता चला है कि यह फैसला लिया गया है। यह अच्छा टूर्नामेंट था। हमारा लक्ष्य इस बार उसमें स्वर्ण पदक जीतना था।' भारतीय टीम 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 0-7 से हार गई थी जबकि 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में इंग्लैंड से 1-2 से हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता जबकि महिला टीम ने 2002 में मैनचेस्टर खेलों में पीला तमगा अपने नाम किया था। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'लेकिन जो हमारे हाथ में नहीं है, उसके बारे में सोचने से कोई फायदा नहीं है। अभी हमें जर्मनी जैसी मजबूत टीम से खेलना है और फोकस उसी पर है।' वहीं कोच क्रेग फुल्टोन ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन अभी इसके प्रभाव के बारे में सोचने का समय नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के इस कोच ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह आधिकारिक है या नहीं। अगर है तो दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन इसके बारे में सोचने का अभी समय नहीं है क्योंकि हमारा ध्यान अभी कल और परसों के मैच पर है।'

कोहली या स्मिथ नहीं, केवल ये खिलाड़ी कर सकता है जो रूट की बराबरी : एलेस्टेयर कुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक का मानना है कि 'समय के सटीक क्षण' पर फॉर्म में चल रहे जो रूट की बराबरी केवल न्यूजीलैंड के केन विलियमसन कर सकते हैं। रूट और विलियमसन 'फैब फोर' के प्रसिद्ध चेहरों में से हैं जिसमें विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। हालांकि समय के साथ, रूट ने धीरे-धीरे अपने शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा कायम किया है।

अब उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जाता है जो इतिहास की किताबों को फिर से लिख सकता है। 33 वर्षीय खिलाड़ी के वर्तमान रन 12,716 रन हैं, जो भारत के 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर टेस्ट इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाज बनने से केवल 3,206 रन दूर हैं। हाल के वर्षों में रूट ने हर बार बल्ले से क्रीज पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, चाहे उनके सामने कोई भी प्रतिद्वंद्वी क्यों न हो। जैसे-जैसे वह क्रिकेट की दुनिया को अपने अथाह कौशल से मंत्रमुग्ध करते जा रहे हैं, कुक को अपने दोस्त के करीब केवल एक ही खिलाड़ी नजर आता है।

कुक ने आईसीसी द्वारा आयोजित एक राउंड-टेबल इंटरव्यू के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि इस समय, मुझे जो रूट जितना अच्छा खेलते हुए किसी और को देखना मुश्किल लगता है। पिछले एक साल में तथाकथित 'बिग फोर' के दौरान मुझे लगता है कि विलियमसन और वह शायद इस समय सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे सभी शानदार, वास्तव में शानदार खिलाड़ी, अपने खेलने के तरीकों और तरीकों में सभी बहुत अलग हैं। लेकिन एक चीज जो उन्हें एकजुट करती है, वह है सुधार करते रहने और रन बनाते रहने की भूख और इच्छा।'

पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि अगर उनकी टीम को जरूरत होगी तो वह संन्यास से वापस आकर आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ खेलने को तैयार हैं। इस 37 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद संन्यास की घोषणा की थी। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में 34 और 57 रन की पारी खेली थी। इस वामहस्त बल्लेबाज ने 'कोड स्पोर्ट्स' से कहा, ''मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूं, बस फोन उठाना बाकी है। मैं इस बारे में हमेशा गंभीर रहता हूं। ईमानदारी से कहूं तो फरवरी में मेरे आखिरी टेस्ट मैच के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले है, इसलिए मेरी तैयारी लगभग वैसी ही है।'' टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना को मजबूत बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए पांच मैचों की यह श्रृंखला काफी अहम है। इसका आगाज 22 नवंबर से पर्थ में होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड में भाग लेकर कड़ी तैयारी कर रहे हैं। वार्नर को अपनी फिटनेस हासिल करने और चयनकर्ताओं को फिर से प्रभावित करने के लिए इस घरेलू प्रतियोगिता में कुछ मैच खेलने होंगे।

उन्होंने कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो अगर उन्हें इस श्रृंखला के लिए वाकई मेरी जरूरत है, तो मुझे अगला शील्ड मैच खेलने को लेकर बहुत खुशी होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने सही कारणों से संन्यास लिया था। उन्हें अगर मेरी जरूरत है तो मैं तैयार हूं। मैं इससे पीछे नहीं हटने वाला हूं।'' ऑस्ट्रेलिया के सामने फिलहाल सलामी बल्लेबाजी की चुनौती है। हरफनमौला कैमरून ग्रीन के चोट के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद अनुभवी स्टीव स्मिथ फिर से मध्यक्रम में खेलेंगे। वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ ने नियमित सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ इस भूमिका को निभाई थी लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

दूसरे टेस्ट पर ध्यान देना बहुत जरुरी, भारत वापसी का रखता है दम : लाथम

बेंगलुरू। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने अपनी टीम को याद दिलाया कि पहला मैच जीतने के बाद खुशी में दूसरे टेस्ट पर अपना ध्यान ना भटकने दें, क्योंकि भारत जवाबी हमला करने तैयार है। न्यूजीलैंड टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट में भारत को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है, लेकिन अब उन्हें 24 अक्टूबर से पुणे में होने वाले दूसरे मैच की तैयारी शुरु करनी होगी। न्यूजीलैंड की यह भारत में सिर्फ तीसरी टेस्ट जीत थी। टीम को इस प्रारूप की तीसरी जीत के लिए करीब 36 साल का इंतजार करना पड़ा है। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के कप्तान लाथम ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि 36 साल बाद हमने यहां जीत हासिल की है। यह हमारी टीम के लिए गर्व की बात है और हम इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से जानते हैं कि यह भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक चुनौती होगी, जिनके पास जाहिर तौर पर वापसी करने का दम है।

द हंड्रेड की टीमों के लिए पांच आईपीएल फेंचाइजी ने लगाई बोली

नई दिल्ली - मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाइंट्स उन आईपीएल फेंचाइजियों में शामिल हैं, जिन्होंने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की प्रतियोगिता द हंड्रेड में टीमें खरीदने के लिए बोलियां जमा की हैं। रिपोर्ट के अनुसार जीएमआर ग्रुप और मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के सह-मालिक अवराम ग्लेजर ने भी टीम खरीदने के लिए बोलियां जमा की है। बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 18 अक्टूबर थी। ईसीबी ने आठ फेंचाइजी में से प्रत्येक में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बोलियां आमंत्रित की थी। इस तरह से ईसीबी ने बड़ा हिस्सा अपने पास सुरक्षित रखा है जिससे उसका प्रतियोगिता पर नियंत्रण बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि कई आईपीएल फेंचाइजियों ने शुरू में टीम खरीदने के लिए दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन सभी ने बोलियां नहीं लगाईं। इसमें कहा गया है, 'पंजाब किंग्स ने बाहर होने का विकल्प चुना, जबकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि पांच बार के आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के मालिक सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने बोलियां जमा की हैं या नहीं।'

रणजी ट्राफी : चेतेश्वर पुजारा ने तोड़ा ब्रायन लारा का रिकॉर्ड

- अब निशाने पर आए राहुल द्रविड़, सचिन-गावस्कर के...

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए सौराष्ट्र के लिए शानदार प्रदर्शन किया और अपना 25वां रणजी ट्रॉफी शतक जड़ा। पुजारा ने 197 गेंदों में यह शतक पूरा किया, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 66वां शतक है। इस उपलब्धि के साथ पुजारा ने महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया, जिनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 65 शतक हैं। अब पुजारा के निशाने पर भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ हैं, जिनके नाम 68 शतक दर्ज हैं। पुजारा यदि दो और शतक लगाते हैं, तो वे द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे, और तीन शतक लगाकर वे उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शतक बनाने के मामले में पुजारा अब सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, और राहुल द्रविड़ के बाद चौथे स्थान पर हैं। पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और तब से उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनका घरेलू करियर बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने कई मौकों पर सौराष्ट्र के लिए बड़े रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी 2017-18 में, पुजारा ने सिर्फ़ चार मैचों में 437 रन बनाए थे, और 2019-20 सीजन में उन्होंने अपना 50वां फर्स्ट क्लास शतक लगाया। हालांकि, फिलहाल पुजारा भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, और उनकी वापसी अब मुश्किल मानी जा रही है।

हमें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम नहीं भेजनी चाहिए: गोपीचंद, विमल ने भी लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद और विमल कुमार ने मंगलवार को 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से बैडमिंटन जैसे खेलों को बाहर करने के फैसले की आलोचना की और देश से इन खेलों में टीम नहीं भेजने का आग्रह किया क्योंकि इसका उद्देश्य भारत की प्रगति को रोकना है।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की पदक की संभावनाओं को उस समय झटका लगा जब ग्लासगो ने बैडमिंटन, हॉकी, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है जो पिछले खेलों की तुलना में नौ कम हैं। लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, तीरंदाजी, स्क्वाश और ट्रायथलन को भी हटा दिया गया है। इन खेलों को हटाने से भारतीय खेल जगत स्तब्ध है और गोपीचंद तथा विमल ने सबसे कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पूर्व भारतीय कोच विमल ने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों की कोई जरूरत नहीं है। मेरे नजरिये से उन्हें इन्हें खत्म कर देना चाहिए। राष्ट्रमंडल खेलों की जगह ओलंपिक और एशियाई खेलों का आयोजन करना बेहतर है। यह दयनीय है, मैं बेहद निराश हूं। राष्ट्रमंडल खेल अपनी चमक, संदर्भ खो रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम नहीं भेजनी चाहिए। इसकी जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों की जगह यह महत्वपूर्ण है कि ओलंपिक और एशियाई खेलों के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के तरीकों पर गौर किया जाए। राष्ट्रमंडल खेलों की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम में अच्छे शारीरिक खेल होने चाहिए, अगर आप इन सभी को हटा दोगे तो फिर क्या जरूरत है।' गोपीचंद ने खेल के आयोजकों के इस कदम को भयावह करार दिया। इस पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन ने कहा, ''मैं 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों से बैडमिंटन को बाहर करने के निर्णय से बेहद स्तब्ध और निराश हूं। ऐसा लगता है कि यह फैसला भारत जैसे देशों की प्रगति को रोकने के उद्देश्य से किया गया है।'

गोपीचंद ने कहा कि बैडमिंटन ने हमें बहुत गौरव और सफलता दिलाई है और यह हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'यह निर्णय ना केवल भारतीय बैडमिंटन के लिए बल्कि दुनिया भर में इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण चूक है जिसमें स्पष्ट तौर पर तर्क का अभाव है और इसके विकास को खतरे में डाल रहा है।'

गोपीचंद ने कहा कि भारत को इस निर्णय पर कड़ी आपत्ति जतानी चाहिए और उचित अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी आवाज उठाएं और इस मुद्दे को उचित अधिकारियों के समक्ष उठाएं जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि बैडमिंटन भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करना जारी रखे।'

राष्ट्रमंडल खेलों के 23वें सत्र का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक होगा जिसके साथ मेजबान के रूप में ग्लासगो की 12 साल बाद वापसी होगी। भारत ने 2022 बर्मिंघम खेलों में 16 खेलों के लिए 210 खिलाड़ियों का दल भेजा था। देश ने 61 पदक जीते और इसमें से 30 पदक उन खेलों में आए जो 2026 ग्लासगो खेलों का हिस्सा नहीं होंगे।

भारत के दिग्गज स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इस खेल को शामिल किए जाने के बाद ग्लासगो खेलों के आयोजकों के कदम को खेल को पीछे ले जाने वाला बताया। उन्होंने कहा, 'बेशक यह काफी निराशाजनक है कि स्क्वाश राष्ट्रमंडल खेलों में नहीं होगा, विशेषकर पिछले साल 2028 के लिए ओलंपिक में जगह बनाने के बाद।'

चोटिल नाओमी ओसाका हांगकांग ओपन से हटीं

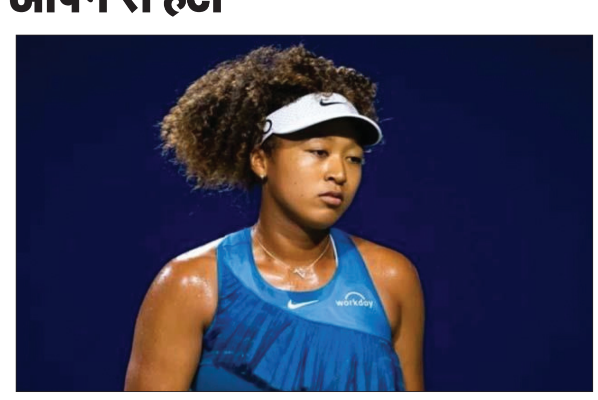

हांगकांग। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है हांगकांग, चीन टेनिस संघ (एचकेसीटीए) ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पूर्व विश्व नंबर वन ओसाका टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगी। उन्होंने कहा कि ओसाका ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलने सहित कई गतिविधियों में भाग लेंगी। बयान में नाओमी के हवाले से कहा गया कि मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। उन्होंने कहा मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेलने में असमर्थ होने की निराश होने के बावजूद मैं अपने सभी अछूत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं अभी भी इस कार्यक्रम में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

काइल वेरेन का शतक, तीसरे ही दिन बांग्लादेश पर हार का खतरा

मीरपुर (एजेंसी)। काइल वेरेन (114) और वियान मुल्डर (54) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में 308 के स्कोर के साथ 202 रन की बढ़त साथ बंगलादेश के दूसरी पारी में 101 रन पर 3 विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं।

दक्षिण अफ्रीका 308 के स्कोर पर रोकने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ही ओवर में कगिसो रबड़ा ने शादमान इस्लाम (1) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोमिनुल हक (0) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल शान्तो ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 19वें ओवर में केशव महाराज ने शांन्तो को (23) रन पर पगबाधा आउट कर दिया।

दिन का खेल खराब रोशनी के कारण रोके जाने पर बंगलादेश ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 101 रन बना लिए है। हालांकि वह अभी पहली पारी के आधार 101 रन पीछे है। महमुदुल हसन जॉय (नाबाद 38) और मुशफिकुर रहीम (नाबाद 31) क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका की ओर कगिसो रबाडा ने 2 विकेट लिए। केशव महाराज को एक विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने आज कल के 6 विकेट पर 140 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। 227 के स्कोर पर वियान मुल्डर के रूप में दक्षिण अफ्रीका का 7वां विकेट गिरा। इसी स्कोर पर केशव महाराज भी आउट कर पवेलियन लौट गए। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी की शुरुआत भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं रही।

रबाडा ने एक और बड़ी उपलब्धि किया हासिल

ढाका। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 300 टेस्ट विकेट पूरे कर 12,000 से कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रबाडा ने यह उपलब्धि मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में प्राप्त की। रबाडा ने दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम को आउट कर वकार यूनिस (12,602 गेंद) और डेल स्टेन (12,605 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के ऐसे छठे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए हैं। इस सूची में उनका नाम स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी, एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गया है। भारत के रविचंद्रन अश्विन ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिन्होंने 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी, लेकिन रबाडा ने गेंदों के लिहाज से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनके पास अब तक का 39.3 का स्ट्राइक रेट है, जो 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। इस शानदार उपलब्धि के बाद रबाडा ने मैच में 3-26 के आंकड़े के साथ जबरदस्त वापसी की। उनके साथ वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर बांग्लादेश के फैसले को गलत साबित कर दिया। टीम शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रही और महज 41 ओवर में ही पूरी टीम ऑल आउट हो गई।

यह उसकी निजी राय है, मैं उससे सहमत नहीं हूं : साक्षी के दावों पर बोली विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार पहलवान और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने मंगलवार को साक्षी मलिक के उन दावों पर असहमति जताई कि एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट लेने के उनके और बजरंग पूनिया के फैसले से बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका प्रदर्शन कमजोर पड़ा।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी ने अपनी किताब 'विटनेस' में दावा किया है कि विनेश और बजरंग के फैसले से उनका आंदोलन 'स्वार्थपूर्ण' लगने लगा। विनेश ने कहा, 'यह उसकी निजी राय है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब तक मैं कमजोर नहीं हूं, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती। यह मेरा मानना है। जब तक साक्षी, विनेश और बजरंग जिंदा है, यह लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती।' उन्होंने कहा, 'जिन्हें जीतना है, उन्हें कभी कमजोर नहीं होना चाहिए। उन्हें हमेशा मैदान पर डटकर लड़ना चाहिए। इसके लिए कठोर होना और चुनौतियों का सामना करना जरूरी है। हम लड़ाई के लिए तैयार हैं।'

साक्षी ने किताब में बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

रणवीर सिंह ने भी पूछा सवाल ये ओरी करता क्या है?

अभिनेता रणवीर सिंह और ओरहान अवतरमणी (ओरी) का एक वीडियो रणवीर सिंह के इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया गया है। वीडियो में रणवीर सिंह मजाकिया अंदाज में एक सवाल पूछते हैं– ये ओरी करता क्या है? वीडियो की शुरुआत में रणवीर ने ओरी के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, अक्सर हमारे देश में लोग दो सवाल पूछते हैं। पहला, 'कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?' और दूसरा, 'ये ओरी करता क्या है?'卐 यह सवाल सुनकर ओरी ने हंसते हुए अपने सनग्लास पहनने की कोशिश की, लेकिन रणवीर ने मजाक में उन्हें रोकते हुए कहा, कोई मौका नहीं। वीडियो के बैकग्राउंड में एक महिला भी कहती है, आप चश्मे के साथ सनग्लास नहीं पहन सकते। ओरी ने इस मजेदार वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, 'ये वो सवाल हैं जो हमें परेशान करते हैं।' वीडियो ने तुरंत सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया और फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। इससे पहले, ओरी कई बॉलीवुड सितारों जैसे अनन्या पांडे, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर और सुहाना खान के साथ राधिका मर्चेंट की भव्य जन्मदिन पार्टी में शामिल हुए थे। ओरी ने इस पार्टी की कई झलकियां भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं, जिससे फैंस ने भी पार्टी के शानदार पलों का आनंद उठाया। वहीं, रणवीर सिंह हाल ही में अपने न्यू डैड बनने की खुशियों में व्यस्त हैं। उनकी पत्नी और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पिछले महीने एक बेटी को जन्म दिया था। इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी की घोषणा की थी, जिससे उनके फैंस बेहद उत्साहित हुए। रणवीर और दीपिका दोनों जल्द ही रोहित शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े सितारे भी शामिल हैं। सिंघम अगेन 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और ओरहान अवतरमणी (ओरी) का हाल ही में एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

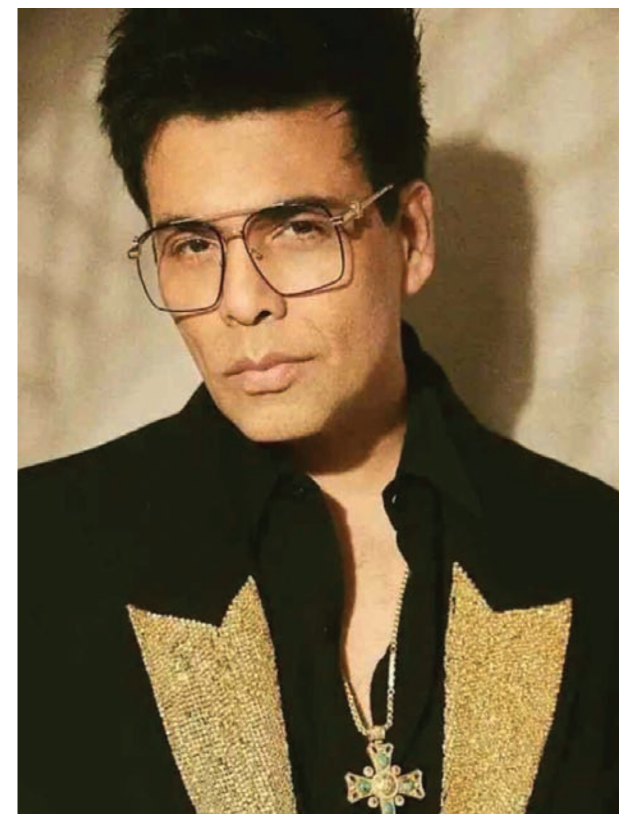

करण जौहर ने की अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार इस फिल्म में बैरिस्टर नायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि आर. माधवन और अनन्या पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। धर्मा प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए बताया कि यह फिल्म 14 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर पर लिखा है, 'एक अनकही कहानी, एक अनसुना सच।卐 करण जौहर और अक्षय कुमार के फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि यह स्वतंत्रता पूर्व भारत की एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी करेंगे, जो इससे पहले कई चर्चित प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं। यह फिल्म रघु पलट और पुष्पा पलट की किताब द केस दैट शूक द एम्पायर पर आधारित होगी, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद ब्रिटिश शासन द्वारा किए गए अत्याचारों और इसे छिपाने की कोशिशों पर केंद्रित है। फिल्म में सी. शंकरन नायर के जीवन को दिखाया जाएगा, जिन्होंने पंजाब के तत्कालीन गवर्नर माइकल ओडायर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। यह मुकदमा ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक साहसिक कदम था और स्वतंत्रता संग्राम में इसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म को अक्षय कुमार की कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। अक्षय कुमार इस फिल्म में एक शक्तिशाली और ऐतिहासिक किरदार निभाते नजर आएंगे, जिससे फैंस को उनसे बड़ी उम्मीदें हैं। अक्षय के पास इस समय कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें हाउसफुल 5 और वेलकम टू द जंगल शामिल हैं। दूसरी ओर, आर. माधवन भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे और उनके फैंस उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं। अनन्या पांडे इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जो उनके करियर के लिए एक नई दिशा हो सकती है। फिल्म के साथ–साथ इसका विषय और ऐतिहासिक महत्व इसे एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बनाते हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

माधुरी ने की पाणी की प्रशंसा तो प्रियंका ने जताया आभार

अंतरराष्ट्रीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस की मराठी फिल्म पाणी को लेकर माधुरी दीक्षित ने फिल्म की सराहना की। माधुरी द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की गई प्रशंसा के बाद प्रियंका ने उनका आभार व्यक्त किया। माधुरी ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के ट्रेलर को साझा करते हुए इसके विषय और कलाकारों की प्रशंसा की, साथ ही दर्शकों से सिनेमाघरों में जाकर इसे देखने का आग्रह किया। प्रियंका ने इस पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लिखा, धन्यवाद माधुरी दीक्षित नेने। माधुरी दीक्षित ने फिल्म की रचनात्मकता और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा, फिल्म की पूरी टीम को बधाई। यह फिल्म एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर आधारित है, और इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अपनी पोस्ट में प्रियंका चोपड़ा और फिल्म के निर्देशक आदिनाथ एम. कोठारे को भी टैग किया। फिल्म पाणी का निर्माण प्रियंका चोपड़ा और उनकी मां मधु चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत किया गया है। यह फिल्म पानी की कमी के गंभीर वैश्विक मुद्दे को उठाती है और इसमें आदिनाथ, रुचा वैद्य, सुबोध भावे, राजित कपूर, किशोर कदम, नितिन दीक्षित और सचिन गोस्वामी जैसे मंझे हुए कलाकार शामिल हैं। पाणी को 2019 में 66वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में पर्यावरण संरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म के खिताब से नवाजा गया था, जो इसके विषय की प्रासंगिकता और प्रस्तुति की उत्कृष्टता को दर्शाता है। प्रियंका ने फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान अपने विचार साझा करते हुए कहा, पाणी मेरे लिए एक जुनूनी परियोजना है। यह फिल्म न केवल एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर आधारित है, बल्कि यह एक व्यक्ति की प्रेरणादायक यात्रा को भी दर्शाती है, जो अपने समुदाय के लिए समाधान खोजने का प्रयास करता है। बता दें कि फिल्म की रिलीज से पहले मुंबई में इसकी विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें प्रियंका चोपड़ा अपनी मां मधु चोपड़ा और भाई सिद्धार्थ चोपड़ा के साथ शामिल हुईं। इस अवसर पर फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या, महेश मांजरेकर और फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू भी उपस्थित थे।

मजदूरों के साथ जमीन पर सोते नजर आए सुनील ग्रोवर

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की फोटो देखकर लोगों ने फोटोग्राफर साथ रखने की उनकी जरूरत पर तंज कसा, जो कॉमेडियन की फोटो तब भी खींच रहा है, जब वे फर्श पर सो रहे थे। कॉमेडियन इंस्टाग्राम रील में मां गंगा का आशीर्वाद लेते हुए नजर आए। उन्होंने सफेद टीशर्ट और नीली जींस पहनी हुई थी। वे एक अनजान शख्स के बगल में नींद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो देखकर फोटोग्राफर का पता नहीं चलता।

सुनील ग्रोवर ने कैप्शन में लिखा, 'और क्या चाहिए, बताओ।' सुनील के वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि कॉमेडियन जमीन से जुड़े होने का दिखावा कर रहे हैं। वह लिखता है, 'अमीर लोगों को डाउन–टू–अर्थ दिखने के लिए कैमरामैन भी साथ ले जाना होता है।' दूसरा व्यक्ति सहमति जताते हुए कहता है, 'गुड एक्टर, चलो वीडियो बन गया। अब जाकर अपने 5 स्टार होटल के कमरे में जाकर सो जाओ। सुनील ग्रोवर जब भी स्क्रीन पर नजर आए, दर्शकों को खूब हंसाया। वे अब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' से लोगों को हंसाते–गुदगुदाते नजर आ रहे हैं। फिलहाल, वे काम से दूर घूमने–फिरने का आनंद उठा रहे हैं। उन्होंने ताजा इंस्टाग्राम पोस्ट से बताया कि वे सरल और तनाव से दूर पहाड़ों में फुरसत के पल गुजार रहे हैं, लेकिन उन्होंने जैसा सोचा होगा, लोगों ने वीडियो पर वैसा रिएक्शन नहीं दिया। वे कॉमेडियन को ट्रोल कर रहे हैं। सुनील से तीसरा यूजर पूछता है, 'इतना दिखावा करने की क्या जरूरत है। जमीन पर लेबर सो रहे हैं, क्योंकि वे थके हुए हैं और यहां तुम वीडियो बना रहे हो।' बता दें कि कॉमेडियन 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का हिस्सा हैं, जिसका दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। हर शनिवार रात 8 बजे इसका नया एपिसोड दिखाया जा रहा है।

मुरलीकांत की असाधारण कहानी पर आधारित है चंदू चैंपियन

बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म, चंदू चैंपियन युद्ध नायक मुरलीकांत पेटकर की असाधारण कहानी पर आधारित है। मुरलीकांत पेटकर भारत के पहले पैरालम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट बने, की जीवन यात्रा को पर्दे पर दर्शाने का जिम्मा लिया है निर्देशक कबीर खान और अभिनेता कार्तिक आर्यन ने।

इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया है, जो 1972 के पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी थे। युद्ध में बुरी तरह घायल होने के बावजूद, पेटकर ने कभी हार नहीं मानी और खेल की दुनिया में सफलता हासिल की। कार्तिक आर्यन ने इस किरदार को जीवंत करने के लिए कड़ी मेहनत की, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग और गहरे पानी में तैराकी जैसे कौशल सीखे। उन्होंने अपने शरीर का फैट 39प्रतिशत से घटाकर 7प्रतिशत तक लाने के लिए डेढ़ साल तक ट्रेनिंग की। यह उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक रही है। कार्तिक ने कहा, इस फिल्म ने मुझे असली सहनशीलता और साहस का मतलब सिखाया। यह मेरे लिए सीखने और डर पर काबू पाने का सफर था।फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया है, जिन्हें बजरंगी भाईजान और 83 जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। कबीर ने कहा, मुरलीकांत पेटकर की कहानी इंसानी जज़्बे की जीत पर रोशनी डालती है।

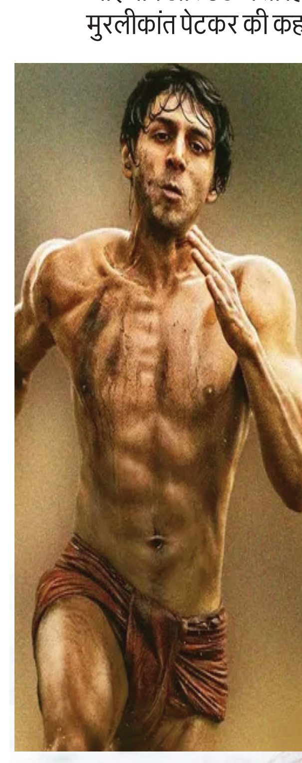

कार्तिक ने किरदार को पूरी तरह से आत्मसात किया, और उनके समर्पण ने फिल्म में जान डाल दी। चंदू चैंपियन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 20 अक्टूबर, रविवार को रात 8 बजे सिर्फ ज़ी सिनेमा पर होगा। यह फिल्म न केवल एक अद्वितीय खिलाड़ी की उपलब्धियों को दर्शाती है, बल्कि यह धैर्य, साहस और उम्मीद की प्रेरणादायक कहानी भी है, जो दर्शकों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करेगी। फिल्म में विजय राज, बृजेन्द्र काला, श्रेयस तलपड़े और राजपाल यादव जैसे अनुभवी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो इस कहानी में और भी गहराई और इमोशंस जोड़ते हैं।

ऋचा चड्ढा ने पति के लिए खास अंदाज में किया प्यार का इजहार

अपने पति अभिनेता अली फज़ल के जन्मदिन पर बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने एक भावुक और प्यारी पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पति के लिए खास अंदाज में अपने प्यार का इजहार किया। ऋचा ने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी वीडियो पोस्ट की, जिसमें अली के बचपन की झलकियाँ शामिल हैं। वीडियो में दो अलग–अलग क्लिप हैं पहले क्लिप में अली को धुंधले शॉट में दिखाया गया है, जबकि दूसरे क्लिप में उनके बचपन की बर्थडे पार्टी की एक पुरानी यादगार वीडियो है, जो 90 के दशक की सैर कराती है। ऋचा ने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन दिया, मुझे पता है कि मैं कितनी भाग्यशाली हूं, अली फज़ल। हमने यह एक मिलियन बार किया है, है ना? मेरे बचपन के दोस्तों वत्सल और चिंटू को प्यार के लिए धन्यवाद, और कक्कड़ अंकल को पुराने पलों की याद दिलाने के लिए शुक्रिया। यह एक ऐसा दिन है जिसे मनाना और संजोया जाना चाहिए। जब हम किसी से प्यार करते हैं और उनसे शादी करते हैं, तो हमें इंटरनेट पर किसी को जवाब देने की जरूरत नहीं है।ऋचा और अली फज़ल ने कई सालों तक डेटिंग करने के बाद 4 अक्टूबर, 2022 को शादी की थी। इस साल जुलाई में इस जोड़े ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। इस खुशी को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ साझा किया, जिसमें नवजात के नन्हे पैर की तस्वीर दिखाई गई थी। फिलहाल, ऋचा अपनी अपकमिंग फिल्म अभी तो पार्टी शुरू हुई है की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, अली फज़ल मेट्रो इन दिनों और लाहौर 1947 सहित कई प्रोजेक्ट्स में काम कर रहे हैं। बता दें कि फुकरे और हीरामंडी जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी से अभिनेत्री ऋचा चड्ढा दर्शकों की जमकर सराहना बटोरने चुकी है।

तहलका मचा दिया कैटरीना की हॉट तस्वीरों ने

हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। कैटरीना ने फ्लोरल पैटर्न वाली खूबसूरत क्रीम रंग की ड्रेप्ड ड्रेस में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की हैं। कैटरीना ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, दिल गुलाबी।तस्वीरों में कैटरीना ने बेहद सटल मेकअप लुक अपनाया है, जो उनकी खूबसूरती को और निखारता है। पहली तस्वीर में वह कैमरे की ओर देखते हुए पोज़ देती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में वह कैमरे से दूर नजर आ रही हैं। उनके इस लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, और फैंस ने जमकर तारीफों के साथ प्यार भी बरसाया। यह पहली बार नहीं है जब कैटरीना की कोई पोस्ट सुर्खियां बटोर रही हो। हाल ही में नवरात्रि के अवसर पर उन्होंने साड़ी में अपनी कुछ शानदार तस्वीरें साझा की थीं, जिसने भी फैंस का दिल जीत लिया था। कैटरीना कैफ ने अपने करियर में कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं और हिंदी सिनेमा में एक सफल स्थान बनाया है। उन्हें राजनीति, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, एक था टाइगर, बैंग बैंग, टाइगर जिंदा है, सूर्यवंशी और अब टाइगर 3 जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए पहचाना जाता है। हाल ही में वह 2023 में रिलीज हुई फिल्म मेरी क्रिसमस में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने मिस्ट्री थ्रिलर के दिलचस्प किरदार मारिया को निभाया। इस फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति भी मुख्य भूमिका में थे। कैटरीना कैफ जल्द ही फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म जी ले जरा में प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।